राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,06 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–309 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नौसेना दिवस पर हुआ 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' और समुद्र में रोशन हुए जहाज

- विशाखापत्तनम के समुद्री तट पर हुए रंगारंग कार्यक्रम में भारत ने दिखाई समुद्री ताकत
- शंकर महादेवन ने 'कॉल ऑफ द ब्लू वाटर्स' नामक नया नौसेना गीत गाकर जोश भरा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ 1971 में युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' में भारत की उपलब्धियों को याद करने के लिए रविवार को नौसेना दिवस मनाया गया। पहली बार राष्ट्रीय राजधानी के बाहर विशाखापत्तनम के समुद्री तट पर हुए रंगारंग कार्यक्रम में भारतीय नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों, हेलीकॉप्टरों ने अपनी समुद्री क्षमता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन बीटिंग रिट्रीट, सूर्यास्त समारोह और लंगरगाह में जहाजों को रोशन करने के साथ हुआ।

नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार की मेजबानी में हुए कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं। इस वर्ष भारत ने अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर 'अमृत काल' की शुरुआत की है, तो नौसेना ने 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' के

माध्यम से भारत की लड़ाकू शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन किया। नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों, हेलीकॉप्टरों ने अपनी समुद्री क्षमता दिखाई। नौसेना की पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी नौसेना कमान के विशेष बलों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन बीटिंग रिट्रीट, सूर्यास्त समारोह और लंगरगाह में जहाजों की रोशनी के साथ हुआ।

राष्ट्रीय राजधानी के बाहर पहली बार मनाये गए नौसेना दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी नौसेना का 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' देखा। केंद्र और राज्य सरकारों के कई गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन के दौरान नौसेना के इतिहास पर 'ए डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन-सिग्नलिंग पावर एंड पार्टनरशिप' किताब का विमोचन और अनावरण भी किया गया। इसके अलावा इस आयोजन की याद में एक नेवी टेलीफिल्म, नेवी वेलनेस एंड वेलफेयर एसोसिएशन पर फिल्म दिखाई गई। समारोह में गीतकार प्रसून जोशी के लिखे गीत को शंकर महादेवन ने गाकर 'कॉल ऑफ द ब्लू वाटर्स' नामक नया नौसेना गीत भी जारी किया।

भारतीय नौसेना के लिए आज का नौसेना दिवस इसलिए और भी विशेष हो गया, क्योंकि इस अवसर पर नए राष्ट्रपति के मानक, नए भारतीय नौसेना क्रेस्ट और सीएनएस मानक का अनावरण किया गया। नए 'प्रेसिडेंट स्टैंडर्ड' को राष्ट्रपति मुर्मू के पहली बार विशाखापत्तनम आने पर नौसेना गार्ड ऑफ ऑनर के दौरान प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, सशस्त्र बलों, राज्य सरकार के अधिकारियों के अलावा विशाखापत्तनम शहर के आम नागरिक भी मौजूद थे। विशाखापत्तनम के तीन लाख से अधिक नागरिकों ने आरके बीच पर नौसेना का 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' देखा।

केरल विधानसभा का सत्र हुआ शुरू

तिरुवनंतपुरम। केरल की 15वीं विधानसभा का सातवां सत्र सोमवार से शुरू होगा। सत्र 5 से 8 दिसंबर और 12 से 15 दिसंबर तक (नौ दिनों) चलेगा। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाली वाम सरकार केरल में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल को हटाने के लिए विधेयक पेश करेगी अत- सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है।

पहले आठ दिन राज्य सरकार के कामकाज के लिए निर्धारित किए गए हैं जबकि अंतिम दिन निजी सदस्यों के कारोबार पर चर्चा होगी।

विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) द्वारा विझिंजम बंदरगाह के खिलाफ चल रहे विरोध, अपराधों की बढ़ती संख्या और ड्रग्स के उपयोग, राज्यपाल और वामपंथी सरकार के बीच झगड़े, सरकार में पिछले दरवाजे की नियुक्ति और कई मुद्दों को उठाने की उम्मीद है।

इसके अलावा विभिन्न निगमों, विवादास्पद सोने की तस्करी का मामला, काले धन की तस्करी के मामले में भाजपा नेताओं की संलिप्तता आदि मामले सदन में उठाये जा सकते है।

देश में पिछले तीन सालों में तिगुने हुए साइबर हमले, आवंटित धनराशि का इस्तेमाल हुआ कम

नई दिल्ली। देश में साइबर हमलों की संख्या में पिछले तीन सालों में तीन गुना वृद्धि हुई है। साइबर सुरक्षा के लिए दी गई धनराशि का भी कम उपयोग किया गया है। कुल स्वीकृत 213 करोड़ रुपये में से केवल 98.31 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2019 में भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-इन) द्वारा ट्रैक की गई साइबर हमलों की कुल संख्या चार लाख से नीचे थी लेकिन इस वर्ष जून तक ही 6,74,021 घटनाएं दर्ज की गई।

दिल्ली पुलिस समेत कई एजेंसियां कर रही हैं साइबर हमले की जांच

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली के सर्वरों को 23 नवंबर को ठप कर देने वाले साइबर हमले को अभी पूरी तरह से सुलझाया जाना बाकी है। सीईआरटी-इन, दिल्ली पुलिस समेत कई एजेंसियां देश के इस महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पर हुए साइबर हमले की जांच में जुटी हैं। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक दिसंबर को साइबर हमलावरों ने जल शक्ति मंत्रालय के ट्विटर हैंडल को आंशिक रूप से हैक कर लिया था जोकि हाल में सरकारी साइट पर दूसरा बड़ा साइबर हमला था।

216 करोड़ रुपये की राशि की गई थी आवंटित

रिपोर्ट में सीईआरटी-इन, नेशनल साइबर

कोआर्डिनेशन सेंटर (एनसीसीसी) और डाटा गवर्नेंस द्वारा कम फंड उपयोग करने की भी जानकारी दी गई है। 2021-22 के दौरान बीई (बजट अनुमान) में 216 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी, जिसे आरई (संशोधित अनुमान) में घटाकर 213 करोड़ रुपये कर दिया गया था। बजट का वास्तविक उपयोग जनवरी, 2022 तक केवल 98.31 करोड़ रुपये रहा।

कोविड केस घटे पर तेजी से बढ़ी टेस्ट करवाने वालों की संख्या

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में तेजी से कमी देखी गई है लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि केस कम होने पर भी जांच करवाने वालों की संख्या डबल हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर के दूसरे सप्ताह में रोज आने वाले केस लगभग आधे हो गए हैं। पहले यह भी कहा जाता था कि जांच में कमी होने की वजह से केस कम सामने आ रहे हैं। हालांकि मौजूदा ट्रेंड ने इस बात को गलत साबित कर दिया है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अलग-अलग राज्यों के आंकड़े भी यही दिखाते हैं कि कोरोना के मामले बढ़ नहीं रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अगर केस बढ़ते दिख रहे हैं तो यह तकनीकी खामी का भी परिणाम हो सकता है। मार्च 2020, जब से कोरोना ने भारत में पैर फैलाए थे उसके बाद से सबसे कम केस इस नवंबर में आए हैं। हालांकि आधे नवंबर के बाद अचानक टेस्टिंग बहुत ज्यादा बढ़ गई।

स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर जारीआंकड़ों के मुताबिक केवल 14 नवंबर को 1.3 लाख टेस्ट करवाए गए। यह पिछले सात दिनों का औसत आंकड़ा है। 29 नवंबर तक यह आंकड़ा बढ़कर 2.9 लाख हो गया। यह भी सात दिनो का औसत है। हालांकि देश में कोरोना के नए मामले औसतन 750 से घटकर 325 हो गए हैं।

इंडियन काउंसल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अधिकारियों के मुताबिक टेस्टिंग में इसलिए वृद्धि हुई है क्योंकि इस दौरान कई अन्य वायरल इन्फेक्शन बढ़ रहे हैं। ऐसे में अस्पताल में दिखाने जाने वाले लोगों को कोविड टेस्ट की भी सलाह दी जाती है। लोग शक दूर करने के लिए भी कोविड टेस्ट करवाते हैं। उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि केंद्र से जारी आंकड़े शायद तकनीकी दिक्कत की वजह से ज्यादा हैं।

उन्होंने कहा कि सोमवार को उत्तर प्रदेश में तकनीकी खामी की वजह से एक लाख टेस्ट दिखा रहा था। जबकि कुल टेस्ट 18 हजार ही हुए थे। उन्होने कहा कि औसत रूप से उत्तर प्रदेश में रोज 25 हजार टेस्ट हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने अहमदाबाद में लाइन में लगकर डाला वोट, स्वागत में उमड़ी लोगों की भीड़

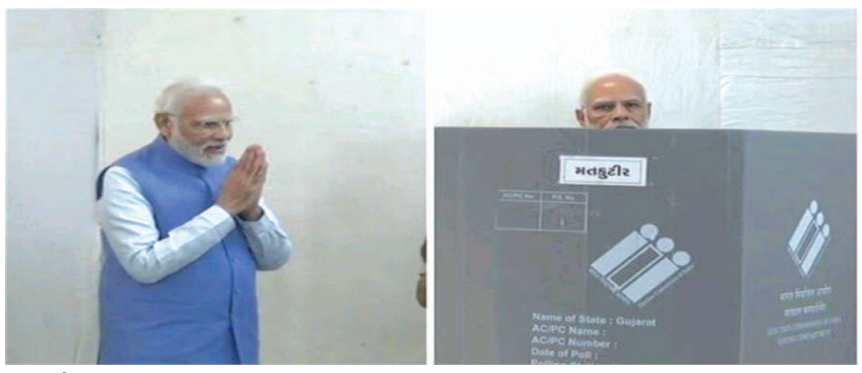

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में उत्तर और मध्य गुजरात के 14 जिलों की 93 सीटों पर वोटिंग हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में रानिप में पहुंचकर वोट डाला। पीएम मोदी भी आम लोगों के साथ कतार में लगे और अपनी बारी आने पर वोट डाला। वोट डालने के बाद पीएम मोदी पैदल ही कुछ दूरी तक चले, जहां पर लोग उनको देखने और मिलने के लिए खड़े थे। इस दौरान पीएम मोदी ने अपने उंगली पर लगी वोटिंग इंक दिखाकर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। कई लोगों ने अपने घरों की छतों पर खड़े होकर पीएम मोदी का स्वागत किया और भाजपा का झंडा लहराया।

बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत ट्रेन होगी शुरू, प्रधानमंत्री मोदी 11 दिसंबर को करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 दिसंबर को देश में छठी सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) -नागपुर (महाराष्ट्र) मार्ग पर संचालित होने वाली ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। इस बात की जानकारी रविवार को भारतीय रेलवे के एक अधिकारी ने दी।

सप्ताह में 6 दिन चलेगी वंदे भारत

अधिकारी के मुताबिक, ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी और यात्रा का एक चरण करीब साढ़े पांच घंटे में पूरा करेगी। अधिकारी ने कहा, बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन रविवार (11 दिसंबर) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर में करेंगे।

साढ़े 5 घंटे में तय करेगी दूरी

अधिकारी ने कहा, यह ट्रेन बिलासपुर

से सुबह करीब 6.45 बजे रवाना होगी और करीब 12.15 बजे नागपुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन दोपहर 2 बजे नागपुर से चलकर शाम 7.35 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। वर्तमान में सुपरफास्ट ट्रेनों को नागपुर पहुंचने में लगभग सात घंटे लगते हैं, हालांकि यह ट्रेन लगभग साढ़े पांच घंटे में दूरी तय करेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे करेगी ट्रेन का संचालन

मामले से परिचित एक दूसरे अधिकारी के अनुसार, ट्रेन का संचालन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किया जाएगा और रायपुर, दुर्ग और गोंदिया में स्टॉप निर्धारित होंगे। अधिकारी ने यह भी कहा कि 2023 में सिकंदराबाद और विजयवाड़ा के बीच एक और वंदे भारत ट्रेन शुरू होने की संभावना है।

अधिकारी ने आगे कहा, यह दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) में स्वदेश निर्मित पहली सेमी हाई-स्पीड रेल और दक्षिण भारत में इस तरह की दूसरी ट्रेन होगी। बता दें कि नई पीढ़ी की वंदे भारत ट्रेन का पहली बार इस साल अक्टूबर में मुंबई-अहमदाबाद रूट पर उद्घाटन किया गया था। रेलवे का अगले साल अगस्त तक 75 वंदे भारत ट्रेनों का उद्घाटन करने का लक्ष्य है।

सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन के सभी कोच स्वचालित दरवाजों, जीपीएस-आधारित ऑडियो-विजुअल यात्री सूचना प्रणाली, मनोरंजन उद्देश्यों के लिए ऑनबोर्ड हॉटस्पॉट वाई-फाई और आरामदायक सीटों से लैस हैं।

भाजपा के लिए नाक का सवाल बनी गांधीनगर साउथ सीट

गांधीनगर। गुजरात में दूसरे चरण के मतदान के बाद लोगों को बस परिणाम का ही इंतजार रहेगा। कई ऐसी सीटें हैं जिनपर कड़ा मुकाबला होने के कयास हैं। ऐसी सीटों पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। इनमें से ही एक सीट गांधीनगर साउथ भी है। फिलहाल इसे भाजपा के लिए सुरक्षित सीटों में गिना जाता है। हालांकि कांग्रेस ने इस सीट पर पूरा जोर लगा दिया है। गांधीनगर से केवल दो किलोमीटर दूर तारापुर गांव के रहने वाले हिमांशु पटेल यहां से कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। इस गांव की आबादी 2000 के करीब है। पटेल ने अपने क्षेत्र में डोर टु डोर कैंपेन किया है।

अमित शाह के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं पटेल

हिमांशु पटेल ने कहा, भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र में 66 सरकारी स्कूल बंद कर दिए। बहुत सारे शैक्षिक संस्थान जो गांव के लोगों को शिक्षित करना चाहते हैं उन्हें काम नहीं करने दिया जा रहा है। नर्मदा के पानी को सिंचाई के लिए उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेटर भी इस इलाके की समस्याओं पर ध्यान नहीं देते हैं। बता दें कि पटेल इससे पहले 2002 में सरखेज से अमित शाह के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। वह शाह के खिलाफ करीब एक लाख वोट से हार गए थे।

भाजपा के लिए अहम है सीट

इस सीट पर भाजपा का बोलबाला रहा है। 2007 में यहां से भाजपा प्रत्याशी शंभूजी ठाकोर ने जीत हासिल की थी। हालांकि 2009 में परिसीमन के बाद इस सीट को दो भागों में बांट दिया गया। इस विधानसभा सीट में कुछ गांव अहमदाबाद जिले के भी आते हैं। भाजपा ने 2012 और 2017 में भी यहां से जीत हासिल की थी। हालांकि इस बार अल्पेश ठाकोर के नामांकन के बाद चीजें बदल गई हैं। ठाकोर भाजपा के खिलाफ आंदोलन कर चुके हैं। ऐसे में भाजपा ने तीन बार के विधायक शंभूजी का टिकट काटकर अल्पेश पर भरोसा जताया है।

हालांकि यह देखना बाकी है कि जनता उनपर कितना भरोसा जताती है।

अल्पेश ठाकोर, ओबीसी, एससी,एसटी एकता मंच के मुख्य चेहरे रह चुके हैं। पाटीदार आंदोलन के बाद वह काफी सुर्खियों में थे। वह हार्दिक पटेल के आंदोलन का विरोध कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति यह है कि हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर दोनों ही भाजपा में है। ठाकोर ने पहले भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोला और फिर वह कांग्रेस में शामिल हो गए। 2017 में उन्होंने विधानसभा का चुनाव भी लड़ा और जीत भी हासिल की। हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने पार्टी का साथ छोड़ दिया। 2019 में हुए उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर ठाकोर ने चुनाव लड़ा था लेकिन वह कांग्रेस के रघु देसाई से हार गए थे। राधनपुर सीट पर विधायक रहते हुए दो साल में उन्होंने विधायक निधि से एक रुपया नहीं खर्च किया। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस छोड़ने के बाद उनके अपने समुदाय में भी काफी विरोध हो रहा है। जब भाजपा ने उन्हें गांधीनगर साउथ से टिकट दिया तब भी लोगों पोस्टर लगाए और कहा कि उनकी जरूरत यहां नहीं है। हर बार यहां भाजपा और कांग्रेस में ही टक्कर होती थी लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी भी मुकाबले में है। आप ने यहां से एक किसान दौलत पटेल को टिकट दिया है।

संपादकीय

घूंघट में लोकतंत्र

वह चित्र व्यथित करता है जब लोकतंत्र में स्त्री की भागीदारी परंपराओं में बंधी नजर आती है। वास्तव में 21वीं सदी के भारत में पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी व्यावहारिक रूप में नजर भी आनी चाहिए। यदि निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर परिवार का कोई पुरुष सदस्य शपथ ले तो इसे लोकतंत्र की विडंबना ही कहा जायेगा। यह भी मान लिया जायेगा कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था उसे अपना आकाश हासिल नहीं करने दे रही है। निस्संदेह, भारतीय समाज परंपराओं में विश्वास करता रहा है, लेकिन बदलते वक्त के साथ बदलाव प्रकृति का नियम भी है। ऐसे वक्त में जब सैकड़ों लोग किसी महिला को अपना प्रतिनिधि चुनते हैं तो उसकी सार्वजनिक जीवन में उपस्थिति नजर भी आनी चाहिए। ऐसी कि वह अधिकारियों पर जनता के काम करवाने के लिये दबाव बनाने की स्थिति में हो। निस्संदेह, उसकी भूमिका परिवार की दहलीज से निकलकर सार्वजनिक जीवन में होती है। वह तभी देश की छोटी संसद के उद्देश्य को साकार कर पायेगी, जब सहजता-सरलता से समाज से रूबरू हो पायेगी। जनता से खुला संवाद कर पायेगी और अधिकारियों पर जायज कार्यों के लिये दबाव बना पायेगी। निश्चित रूप से ऐसे चित्र, जिनमें पर्दानशीं स्त्री पद की शपथ लेते नजर आती हो, देश-दुनिया में अच्छा संदेश कदापि नहीं देंगे। यदि पुरुष महज अपनी सीट आरक्षित होने की वजह से लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी की बात कर रहे हैं तो निश्चित रूप से इससे महिलाओं के अधिकार सार्थक नहीं होंगे। फिर पंचायत चुनावों में महिलाओं की भागीदारी का उद्देश्य भी निरर्थक ही साबित होगा।

यह प्रसंग परेशान करता है कि देश की प्रगतिशील राष्ट्रीय राजधानी की आबोहवा से तीन तरफ से जुड़ा हरियाणा बदलते समय के साथ क्यों कदमताल करने से परहेज कर रहा है। वह भी उस हरियाणा में जहां की बेटियां अंतरिक्ष से लेकर वैश्विक खेल स्पर्धाओं में नये मानक स्थापित कर रही हैं। यहां के परिवारों ने तमाम पौरुष प्रतीक माने जाने वाले खेलों मसलन कुश्ती और मुक्केबाजी स्पर्धाओं में बेटियों को उतारा है। वे दुनिया के तमाम मुकाबलों से सोने-चांदी के तमगों के साथ हरियाणा ही नहीं पूरे देश को गौरवान्वित कर रही हैं। कोई खेल नहीं जहां हरियाणवी बेटियां दमखम न दिखा रही हों। ऐसे में महिला पंचायत प्रतिनिधियों को परंपराओं में बांधना उनकी योग्यता व प्रतिभा को नकारने जैसा है। निस्संदेह, 21वीं सदी के भारत में जब सेना ने महिलाओं के लिये अपने दरवाजे खोल दिये हैं, हर क्षेत्र में महिलाओं की सशक्त भागीदारी है, तो अपने गांव में अपने लोगों के बीच तो कम से कम उसे अभिव्यक्त होने का अवसर मिले। इस तथ्य को स्वीकारते हुए कि महिलाएं लोकसेवा के कार्यों को अधिक संवेदनशीलता व ईमानदारी के साथ अंजाम दे सकती हैं। निस्संदेह, यदि छोटी संसद में महिलाओं की उपस्थिति, अभिव्यक्ति व सक्रियता सशक्त होती है तो बड़ी संसद में महिलाओं के आरक्षण का आधार भी मजबूत होगा। तब कोई न कह सकेगा कि महिलाओं का सार्वजनिक जीवन में प्रतिनिधित्व प्रतीकात्मक ही होता है। यह भी कि काम-काज तो घर के पुरुष ही चलाते हैं।

अपने गिरेबां में झांके अमेरिका

दुनिया भर में धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी का जिम्मा संभाल रहे स्वयंभू अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएन) ने पाकिस्तानग्र चीनग्र रूस और सऊदी अरब जैसे बारह देशों को धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाले 'खास चिंता वाले देशों' के रूप में नामित किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इसकी घोषणा की है। 2020 में इस अमेरिकी आयोग ने भारत को भी इस सूची में शामिल किया था। तब नई दिल्ली ने धार्मिक स्वतंत्रता पर इस आयोग की आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया था और कहा था कि यह रिपोर्ट पूर्वाग्रहों से ग्रसित और पक्षपातपूर्ण है। इस बार भी भारत को इस सूची में शामिल करने के लिए यूएस कमीशन फॉर इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम और इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल जैसे संगठनों ने अमेरिकी सरकार पर काफी दबाव बनाने की कोशिश की थी। इससे साबित होता है कि कुछ देशों की छवि धूमिल करने के लिए यह आयोग इस तरह की रिपोर्ट जारी करता है। हालांकि आयोग की रिपोर्ट में आंशिक सच्चाई भी है। पाकिस्तान में हिंदू और सिख नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता का किस तरह दमन किया जा रहा है, यह तथ्य पूरी दुनिया में उजागर है। ठीक इसी तरह चीन में उइगर मुसलमानों के साथ वहां की कम्युनिस्ट सरकार किस तरह का अमानवीय व्यवहार कर रही है, किसी से छिपा नहीं है। आश्चर्य होता है कि इस बारे में इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और अन्य मुस्लिम संगठन गूंगे बने हुए हैं। लेकिन दुनिया के हर देश में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर नजर रखने वाले अमेरिका को अपने देश में अश्वेतों पर होने वाले भेदभाव पर भी नजर रखनी चाहिए। अमेरिकी संविधान में श्वेतों-अश्वेतों को समानता का दर्जा मिला हैग्र लेकिन अश्वेतों के प्रति श्वेतों की मानसिकता में अभी तक बदलाव नहीं आया है। दो साल पहले अमेरिका के मिनेपॉलिस में अश्वेत नागरिक जार्ज फ्लायड को एक दुकान में नकली बिल का इस्तेमाल करने के संदेह में एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने गला घोंटकर मार दिया था। तब 'अश्वेत जान की भी कीमत है' का पुराना आंदोलन जोर पकड़ गया था। वास्तव में अमेरिका की न्याय प्रणाली में बहुत खामियां हैं। पुलिस की कार्यप्रणाली भी जरूरत से अधिक ताकत का प्रयोग करती है। अमेरिका को भी अपने गिरेबां में झांकना चाहिए।

परिधि/ राजीव मंडल

शर्मनाक सौदेबाजी

आलीगढ़ में पिछले दिनों रेल हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ित परिवार को मुआवजा देने में रेल प्रशासन की 'संवेदनहीनता' चर्चा में है। रेलवे की घोर लापरवाही के चलते जान गंवाने वाले शख्स के घर वालों को जितनी तकलीफ अपने के जाने की हुई, शायद उतनी ही पीड़ा और क्षोभ परिवार के लोगों को रेलवे की ओर से जारी मुआवजा राशि से हुई होगी। किसी की जान की कीमत अगर अरबों की संपत्ति वाला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम-रेलवे-15 हजार लगाए तो इससे ज्यादा शर्म और गुस्से की बात कुछ और नहीं हो सकती है। सरकार के स्तर पर जब भी मुआवजा देने की बारी आती है तो सरकारी तंत्र बेहद क्रूर और संवेदनहीनता के चरम पर पहुंच जाता है। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण हैंग्र जब सरकार द्वारा दी गई मदद राशि को पीड़ित परिवार अपनी बेइज्जती समझता है। जिस शख्स की अलीगढ़ में नीलांचल एक्सप्रेस में मौत हुईग्र वह परिवार का कमाऊ सदस्य था और उसकी उम्र बहुत ज्यादा नहीं थी। क्या रेलवे के अधिकारी इतनी समझ भी नहीं रखते कि किसी की जान की कीमत कम-से-कम 15 हजार तो कतई नहीं होती। वैसे तो जान बेशकीमती हैग्र फिर भी परिवार को अपने अभिन्न के जाने का गम न हो; इसलिए उन्हें सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे मौकों पर भी महकमा 'छोटा मन' दिखाएगा तो जनता का भरोसा कैसे मजबूत होगा। क्या रेल प्रशासन को इस बात का इल्म नहीं कि परिवार के किसी सदस्य की मौत हो जाती है तो पीड़ित परिवार भावनात्मक रूप से तो टूटता ही है, आर्थिक रूप से भी छिन्न-भिन्न हो जाता है। उस वक्त उसे भावनात्मक और आर्थिक, दोनों तरह के संबल देने की जरूरत होती है। मगर पीड़ा की बात है कि अधिकांश मामलों में सरकारी अमला आचरण के तौर पर बेहद निकृष्टता का उदाहरण पेश करता है। क्या अरबों रुपये की संपत्ति से परिपूर्ण रेलवे का यह व्यवहार शोभनीय माना जाएगा? मुआवजे की रकम देने में भी अगर 'तोलमोल' किया जाता है, तो इससे बुरी और बदनीयती की बात दूसरी नहीं हो सकती। रेलवे को अगर अपने गौरवमयी अतीत का संरक्षण करना है तो सबसे पहले मुआवजा देने की अपनी नीति में ईमानदारी दिखानी चाहिए। वैसे, देश में हादसे को लेकर 'एक देश, एक मुआवजा' की नीति जल्द-से-जल्द बननी चाहिए।

निवेश में अब यूपी दे रहा महाराष्ट्र को चुनौती

आर.के. सिन्हा

लखनऊ और मुंबई के बीच फासला भले ही 1350 किलोमीटर से कुछ अधिक ही हो, पर अब महाराष्ट्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी निवेशक झोली भरकर निवेश लाने में लगे हैं। महाराष्ट्र तो परंपरागत रूप से भारत का सबसे खास औद्योगिक राज्यों में से एक रहा है। उत्तर प्रदेश अब महाराष्ट्र का तेजी से निजी क्षेत्र के निवेश में मुकाबला कर रहा है। हालांकि आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य की छवि कभी महाराष्ट्र जैसी नहीं रही थी। केंद्र सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट देखें तो महाराष्ट्र में सर्वाधिक निजी क्षेत्र का निवेश आ रहा है। उसके बाद दिल्ली का स्थान है और फिर उत्तर प्रदेश का। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि अप्रत्याशित ही मानी जाएगी। बेशक, उत्तर प्रदेश अपने को अब तेजी से बदल रहा है। राज्य सरकार को समझ आ गया है कि बिना निजी क्षेत्र के निवेश के राज्य का हरेक क्षेत्र में विकास मुमकिन नहीं होगा। देखिए महाराष्ट्र और दिल्ली में तो निवेशक आते ही रहे हैं। ये दोनों राज्य देशी-विदेशी निवेशकों को भी अपनी तरफ खींचते हैं। पर नोट करने लायक तथ्य यही है कि अब उत्तर प्रदेश भी निवेशकों को लुभा रहा है।

उत्तर प्रदेश के विकास का एजेंडा तय करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बड़ी छलांग लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये का औद्योगिक निवेश लाने की युद्ध स्तर पर कोशिशें चल रही है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं सक्रिय हैं। वे बड़े निवेशकों और उद्योगपतियों से मिल रहे हैं। उन्हें बता रहे हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश में निवेश करने से क्या लाभ होगा। याद नहीं आता कि उनसे पहले राज्य का कोई मुख्यमंत्री अपने राज्य में निवेश लाने को लेकर इतना एक्टिव रहा हो।

आप जानते हैं कि कोरोना काल में सब तरफ आर्थिक गतिविधियां ठप सी पड़ गई थीं। पर उत्तर प्रदेश में उस दौर में भी निवेशकों ने 66,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दरअसल अगर आप भारत के निजी क्षेत्र के निवेश के लिहाज से सबसे पसंदीदा राज्यों की सूची में नजर डालेंगे तो आपको मोटा-मोटी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली जैसे राज्य ही नजर आएंगे। इनमें हुई आर्थिक प्रगति ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। नब्बे के दशक में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण का लाभ उठाते हुए इन सब

एक तरफ उत्तर प्रदेश में निवेश और दूसरी तरफ राज्य के युवा अपने खुद के काम-काज शुरू करें तो फिर सोने पर सुहागा ही होगा। इससे राज्य विकास की दौड़ में तेजी से लंबी छलांग लगाने लगेगा। आप खुद देख लें कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे राज्यों के नौजवान नौकरी की तुलना में कारोबारी बनना पसंद करने लगे हैं। जिन राज्यों में निवेश नहीं आ रहा है, वहां के युवा नौकरी पाने की जुगाड़ में रहते हैं। नौकरी के लिए अपने घरों से सैकड़ों-हजारों मील दूर चले जाते हैं। मान कर चलिए कि उत्तर प्रदेश में निवेश आना जैसे-जैसे बढ़ता रहेगा, वैसे-वैसे राज्य के युवा भी बदलेंगे। वे भी कारोबारी बनने के संबंध में सोचेंगे। मतलब निवेश से राज्य का कई स्तरों पर कायाकल्प होगा।

राज्यों ने अपनी जीडीपी को मजबूत बनाया और वर्तमान में जीडीपी के हिसाब से महाराष्ट्र देश का सबसे अग्रणी राज्य है। कर्नाटक तो देश की आई टी राजधानी बन चुका है और तमिलनाडु ऑटो सेक्टर का बडा हब। ये सब राज्य देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन की भूमिका निभा रहे हैं। इनमें आर्थिक प्रगति की रफ्तार लाजवाब रही है। महाराष्ट्र की जीडीपी का आकार पूरे पाकिस्तान की जीडीपी से भी अधिक है। अब इन राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश का आना सुखद है। राम और कृष्ण की जन्मभूमि उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा है। करीब 22 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश के विकास को छोड़कर भारत की प्रगति की कल्पना करना असंभव होगा।

एक बात तो समझनी ही होगी कि कोई भी देश और उसका राज्य अपने देश के निवेशकों पर ही निर्भर नहीं रह सकता है। उसे विदेशी निवेश भी तो खींचना ही होगा। अच्छी बात यह है ब्रिटेन, मारीशस, नीदरलैंड, डेनमार्क, सिंगापुर जैसे देशों के निवेशक भी उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर गंभीर हैं। हां, निवेश तो तब ही आएगा जब सरकारें अपने यहां निवेश का माहौल पैदा करेंगी। निवेशकों को सुरक्षित जीवन का भरोसा देंगी। उत्तर प्रदेश यह भरोसा देने में हाल के दिनों में कामयाब रहा है। निवेशकों को भी उत्तर प्रदेश में निवेश करना लाभ का सौदा नजर आ रहा है। जाहिर सी बात है कि कोई भी निवेशक घाटा खाने के लिए कहीं निवेश करेगा नहीं। उत्तर प्रदेश में गौतम अडानी, कुमार मंगलम बिड़ला, निरंजन हीरानंदानी, सज्जन जिंदल जैसे उद्योगपति निवेश लेकर आ रहे हैं।

दरअसल लंबे समय तक अंधेरे में डूबा रहा उत्तर प्रदेश अपनी छवि तेजी से बदलना चाहता है। आपको आज के दिन सारे राज्य में स्तरीय सड़कें, साफ सुथरे चमकते बाजार, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल वगैरह देखने को मिलेंगी। सरकारी दफ्तरों में भी काहिली काफी हद तक खत्म हो गई है। इस बीच, आप गौर करें कि जिन राज्यों में विकास का पहिया काफी सालों- दशकों से घूम रहा है वहां के नौजवान भी अब आंत्रप्योनर बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश के नौजवानों को भी अब नौकरी की जगह अपना कोई काम-धंधा शुरू करने के संबंध में सोचना होगा। उनके सामने ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल, जोमैटो के दीपेन्द्र अग्रवाल, इंफोसिस के नंदन नीलकेणी जैसे सैकड़ों पहली पीढ़ी के आंत्रप्योनर की सफल कहानियां हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमी सफल हो रहे हैं। ये रोजगार दे रहे हैं और नौजवानों को लगातार प्रेरित कर रहे हैं। देश के सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तो हजारों इस तरह के युवा एक्टिव हैं जिनके परिवारों में उनसे पहले कभी किसी ने कभी कोई बिजनेस नहीं किया था। यह समय अपना धंधा करने के लिहाज से सर्वोत्तम है। आपको बैंकों और वित्तीय संस्थानों से आसान शर्तों पर लोन भी मिल जाता है। यह स्थिति कुछ साल पहले तक नहीं थी। उस दौर में लोन के लिए बहुत धक्के खाने पड़ते थे। लेकिन, आज अगर आपके कोई बढ़िया आइडिया है तो आपकी सफलता तय है।

एक तरफ उत्तर प्रदेश में निवेश और दूसरी तरफ राज्य के युवा अपने खुद के काम-काज शुरू करें तो फिर सोने पर सुहागा ही होगा। इससे राज्य विकास की दौड़ में तेजी से लंबी छलांग लगाने लगेगा। आप खुद देख लें कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे राज्यों के नौजवान नौकरी की तुलना में कारोबारी बनना पसंद करने लगे हैं। जिन राज्यों में निवेश नहीं आ रहा है, वहां के युवा नौकरी पाने की जुगाड़ में रहते हैं। नौकरी के लिए अपने घरों से सैकड़ों-हजारों मील दूर चले जाते हैं। मान कर चलिए कि उत्तर प्रदेश में निवेश आना जैसे-जैसे बढ़ता रहेगा, वैसे-वैसे राज्य के युवा भी बदलेंगे। वे भी कारोबारी बनने के संबंध में सोचेंगे। मतलब निवेश से राज्य का कई स्तरों पर कायाकल्प होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

अंतर्मन

आचरण से ही तय होता है असली कद

सीताराम गुप्ता

मनुष्य की लंबाई या उसका कद उसके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, इसमें संदेह नहीं। लंबे कद वाले व्यक्ति का न केवल बाह्य व्यक्तित्व ही आकर्षक होता है अपितु वे शारीरिक रूप से भी अपेक्षाकृत सुदृढ़ व आत्मविश्वास से भरपूर पाए जाते हैं।

लेकिन हमारा बाह्य व्यक्तित्व हमारे समग्र व्यक्तित्व का बहुत छोटा हिस्सा होता है, जो मुश्किल से उसके दसवें हिस्से के बराबर होता है। इस प्रकार से हमारा शारीरिक कद भी उसी अनुपात में ही महत्व रखता है। हमारा वास्तविक कद हमारे आंतरिक व्यक्तित्व पर निर्भर करता है, जो हमारे समग्र व्यक्तित्व का नब्बे प्रतिशत से भी अधिक होता है। प्रश्न उठता है कि हमारे आंतरिक व्यक्तित्व के वे कौन से तत्व हैं, जो हमारा वास्तविक कद निर्धारित करते हैं।

यदि हममें अच्छी आदतें हैं तो स्वाभाविक रूप से लोग हमें पसंद करेंगे और लोग हमें पसंद करेंगे तो हमारा कद ऊंचा होगा। इतिहास में अनेक ऐसे महान व्यक्ति हुए हैं जिनका न तो बाह्य व्यक्तित्व ही बहुत अधिक आकर्षक था और न कद ही लंबा था लेकिन हम उनको समाज में उनके गुणों व योगदान के कारण जानते हैं व उनके प्रति सम्मान व श्रद्धा रखते हैं। महात्मा गांधी अथवा लाल बहादुर शास्त्री ऐसे ही महान व्यक्ति हुए हैं। उनका वास्तविक कद इतना अधिक था कि लोगों को उनके शारीरिक कद के बारे में विचार करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी।

बहुत छोटी-छोटी बातें होती हैं जिनसे हमारा समग्र व्यक्तित्व विकसित होकर हमारा वास्तविक कद बहुत बड़ा हो जाता है। इसमें हमारा दृष्टिकोण बहुत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। हम अपने लिए नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए क्या करते हैं और लोगों के

प्रति हमारा व्यवहार अथवा हमारा आचरण कैसा है, इससे हमारा वास्तविक कद निर्धारित होता है। हमारे व्यवहार में शिष्टाचार का बहुत अधिक महत्व होता है। यदि हम लोगों का सम्मान करना और रखना जानते हैं तो सचमुच हमारा कद बहुत ऊंचा हो जाता है। जो लोग हमेशा छिद्रान्वेषण अथवा दोषारोपण द्वारा दूसरों को नीचा दिखाने में लगे रहते हैं, उन्हें कौन पसंद करेगा चाहे उनका बाह्य व्यक्तित्व अथवा जिस्मानी कद कितना ही आकर्षक व उन्नत क्यों न हो?

लोग पहले हमारे बाह्य व्यक्तित्व से प्रभावित होकर हमारी तरफ आकर्षित होते हैं, लेकिन यदि हमारा आचरण दोषपूर्ण है तो लोग हमसे दूर होते चले जाएंगे। वास्तविक कद उस व्यक्ति का ही ऊंचा होता है जो दूसरों को महत्व देना और उनका सम्मान करना जानता है। सबसे ऊंचा कद तो उस व्यक्ति का होता है जो कभी किसी के साथ अन्याय अथवा पक्षपात नहीं करता। और जब भी कोई व्यक्ति किसी के सम्मान में खड़ा हो जाता है तो उसका अपना कद सचमुच बड़ा हो जाता है। व्यक्ति के स्वभाव की सरलता व आचरण की शुद्धता निश्चित रूप से उसके कद में वृद्धि करने में सहायक होती है। हम समाज व लोगों के लिए कितने उपयोगी हैं, इसका भी हमारे कद से गहरा संबंध है।

कबीर ने यह गलत नहीं कहा कि खजूर के पेड़ की तरह बड़ा अर्थात? बहुत लंबा होना निरर्थक है क्योंकि उससे न तो राहगीर को छाया ही मिल पाती है और न उसके फल ही आसानी से प्राप्त हो सकते हैं। अटल जी ने भी अपनी एक कविता में कहा है कि मुझे इतनी ऊंचाई नहीं चाहिए जिससे मैं लोगों को गले न लगा सकूं। जो हर हाल में लोगों को गले लगाने की इच्छा को सर्वोपरि मानता हो, उसका कद ही वास्तव में सर्वोच्च होता है। और जब कोई व्यक्ति खड़ा होकर दूसरों के सामने झुकता है, उनका सम्मान करता है, उन्हें महत्वपूर्ण बनाने का अवसर प्रदान करता है तो उसका कद और भी अधिक बढ़ जाता है।

कद उस इंसान का बड़ा होता है जो अपने से अधिक दूसरों की परवाह करता है। कद उस शख्स का बड़ा होता है जो हर हाल में घर आए मेहमान का यथोचित स्वागत करने को उत्सुक व तत्पर रहता है। जो महत्वहीन व क्षुद्र बातों को नजरअंदाज कर सके, जिसके मन में सहिष्णुता व विरोधी के लिए भी थोड़ा स्थान हो और जो स्वयं विषम परिस्थितियों में भी किसी की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ा सके, वही सचमुच ऊंचे कद का व्यक्ति है। दूसरों को कष्ट में देखकर जो द्रवित हो जाए, उसका कद सचमुच बहुत ऊंचा होता है। मधुर व सार्थक संबंधों के विकास के लिए भी इससे अच्छा अन्य कोई उपाय अथवा उपचार नहीं। अपने व्यवहार में उत्कृष्टता लाकर हम अपने कद को सचमुच बहुत ऊंचा कर सकते हैं, इसमें संदेह नहीं।

प्रदूषण

छोटे शहरों की चिंता ज्यादा जरूरी है

डॉ.भीम सिंह भवेश

पर्यावरण प्रदूषण आज गंभीर वैश्विक समस्या का रूप अख्तियार कर चुका है। खासकर छोटे शहरों में प्रदूषण की चाल-ढाल अब ड़राने लगी है। 'कोढ़ में खाज' यह कि इन द्वितीयक और तृतीयक शहरों के गैस चेंबर बनने को लेकर किसी को रत्ती भर भी चिंता नहीं हो रही है। कहीं से कोई आवाज नहीं उठ रही है, जबकि आंकड़े चीख-चीखकर भयावहता का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसकी वजह से प्रति वर्ष 90 लाख लोग असमय काल कवलित हो रहे हैं। इनमें भारत से करीब 24 लाख होते हैं। यदि इस तरफ सचेत नहीं हुए तो दिन दूर नहीं जब भौतिक उपलब्धियों की होड़ में हम एक बीमार देश की संरचना करना शुरू कर देंगे।

प्रत्येक वर्ष सतदयों में पर्यावरण और स्वास्थ्य के हालात को देखते हुएग्र सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों (इंडो-गैंगेटिक प्लेन) का मानिचत्र लाल रंग से रंग जाता है, जिसका कारण सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचना है। आमतौर पर दिल्ली सबसे ज्यादा खबरों में रहती है और इस समस्या का केंद्र भी यही होती है, लेकिन यह कहानी अकेले दिल्ली की नहीं है। यह उत्तर भारत के विस्तृत भू-भाग में रहने वाले लोगों को जहरीली हवा के दुष्प्रभावों से होने वाले खतरों के बारे में है। सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में सिरसा, जींद, करनाल, भटिंडा, मेरठ, लखनऊ, वाराणसी, पटना, गया और पश्चिम बंगाल के शहर हैं (देखें, खतरे का बढ़ता दायरा,)। इन शहरों में पीएम 2.5 के वातषक औसत स्तर और 24 घंटे के अधिकतम औसत का त्वरित मूल्यांकन दर्शाता है कि दिल्ली की तुलना में पीएम 2.5 के काफी कम वातषक औसत स्तर वाले शहरी इलाकों में रोजाना ज्यादा धुंध होने की संभावना है। यह धुंध की घटनाओं को रोकने और वायु प्रदूषण को कम करने की जरूरत को दर्शाता है। वायु प्रदूषण की खतरनाक और भ्रामक प्रकृति भारत के अन्य क्षेत्रों में भी दिखाई देती है। कुछ ऐसा ही हाल बिहार के कई जिलों का है जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) देश के सर्वाधिक खतरनाक शहरों के

समतुल्य पहुंच गया है। 26 नवम्बर, 2022 को बिहार एक्यूआई रिपोर्ट के मुताबिक तीन जिलों दरभंगा (421), सिवान (401) और पूतणया (381) का 'खतरनाक' जबकि बेतिया, भागलपुर, बिहार शरीफ, बक्सर, छपरा, कटिहार, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, सहरसा एवं समस्तीपुर का 'बहुत खराब' रहा। विदित हो कि एक्यूआई रिमार्क 0 से 50 'अच्छा', 51 से 100 'ठीक है', 101 से 200 'अच्छा नहीं', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 'बहुत खराब' और 401 से 500 तक का वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खतरनाक' श्रेणी का रिमार्क है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगले 50 वर्षों तक प्रदूषण की यही गति बनी रही तो पृथ्वी का विनाश हो सकता है। विकास पदार्थों की बढ़ती मात्रा, जनसंख्या वृद्धि, वृक्षों की कटाई, कृषि एवं औद्योगिक पदार्थों के निपटान के विकल्पों की कमी, शहरीकरण, खनन और बदलती जीवन शैली प्रदूषण को खाद-पानी दे रहे हैं। तेजी से बढ़ते रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर के उपयोग के कारण फ्रियोन और क्लोरो फ्लोरो कार्बन (सीएफसी) गैस भी अपना कुप्रभाव तेजी से बढ़ा रही हैं। प्रदूषण की समस्या से आज समूचा विश्व चिंतित है। इस पर नियंत्रण के प्रयासों की चर्चा जोर-शोर से हो रही है, परंतु तेजी से बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के निमित्त सरकारी और सामाजिक प्रयास नाकाफी सिद्ध हुए हैं। लिहाजा अब सरकारों को भूमिग्र जल, वन, वायु इत्यादि के अनियंत्रित दोहन पर रोक लगानी चाहिए ताकि पर्यावरण बच सके। उद्योगों द्वारा फैलाए जाने वाले प्रदूषण, जनसंख्या वृद्धि, गंदी बस्तियों के विस्तार आदि को रोकना होगा। वृक्षारोपण के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करनी होगी। फैक्टरियों से निकलने वाले धुएं को रोकने के लिए चिमनियों में ऐसे यंत्र लगाए जाने चाहिए जिससे घातक गैसें तथा धुएं को वहीं कार्बन के रूप में रोक लिया जाए। खतरनाक रसायनों को नदियों में डालने की बजाय ऐसे तरीके से नष्ट किया जाए जिससे नदियों का पानी प्रदूषित न होने पाए। वाहनों से निकलने वाली गैसों पर नियंत्रण रखने के लिए उनमें फिल्टर का उपयोग अनिवार्य कर दिया जाए। आण्विक विस्फोटों पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंकुश लगा दिया जाना चाहिए। सौर ऊर्जा जनसाधारण के लिए सुलभ कराई जाए जिससे प्रदूषण कम किया जा सके। मानव व पशु संख्या पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाना चाहिए। मूलभूत आतथक क्रियाकलाप की विविधता के लिए प्राकृतिक सजीव संसाधनों के प्रबंध को उच्च प्राथमिकता देनी होगी, लेकिन भूमि व जल प्रबंधन पर ध्यान दिए बगैर इसकी व्यवस्था करना नुकसानदेह होगा। व्यावसायिक इकाइयां प्रदूषण रोकने के लिए निर्देशित वर्जनाओं का पालन करें। भले ही ये कदम खर्चीले या दंडात्मक ही क्यों न हों। क्योंकि जीवन से अधिक व्यवसाय महद्मवपूर्ण नहीं है। जीवन बचेगा तो व्यवसाय होगा। प्रदूषण रोकने के लिए हर स्तर पर जागरूकता एवं इस क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रोत्साहित भी किया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेंसेक्स 40 अंक हुआ कमजोर, निफ्टी में मामूली तेजी के साथ शेयर बाजार बंद

मुंबई। मिले जुले ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में दबाव देखने को मिला है. आज के कारोबार में सेंसेक्स 40 अंक कमजोर हुआ है. वहीं निफ्टी में मामूली तेजी रही और यह 18700 के पार बंद हुआ है. BSE Sensex 33.9 अंक यानी 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 62,834.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ. NSE Nift4 4.95 अंक यानी 0.03 फीसदी की तेजी के साथ 18,701.05 अंक के स्तर पर क्लोज हुआ. सेक्टोरल इंडिसेज की बात की जाए तो ऑटो, आईटी और फार्मा सेक्टर में बिकवाली देखने को मिली. दूसरी ओर, पीएसयू बैंक, रियल एस्टेट और मेटल स्टॉक में लिवाली देखने को मिली. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडिसेज बंद हुए.

मजबूत हाजिर मांग से सोने, चांदी के वायदा भाव बढ़े, सोने की कीमतों में 220 रुपये, चांदी की कीमत 313 रुपये में तेजी के साथ बंद

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोने की कीमत 220 रुपये बढ़कर 54,070 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में फरवरी, 2023 में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 220 रुपये यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 534,070 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 16,562 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,812.20 डॉलर प्रति औंस हो गया। कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से सोमवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 313 रुपये की तेजी के साथ 66,762 रुपये प्रति किग्रा हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्स्चेंज में चांदी के मार्च, 2023 महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 313 रुपये यानी 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 66,762 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इसमें 20,204 लॉट का कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23.20 डॉलर प्रति औंस रह गयी।

ईटीएफ के जरिए शेयर बाजार में निवेश करेगा ईएसआईसी

नई दिल्ली : सरकार के सामाजिक सुरक्षा निकाय कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अपने अधिशेष फंड को एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में ईएसआईसी मुख्यालय में रविवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया। निवेश में विविधता लाने के साथ ही विभिन्न ऋण निवेश साधनों में अपेक्षाकृत कम प्रतिफल के कारण ईटीएफ के जरिए इक्विटी में निवेश को मंजूरी दी गई है। बयान में कहा गया कि शुरुआत में अधिशेष फंड का पांच प्रतिशत निवेश किया जाएगा और दो तिमाहियों की समीक्षा के बाद धीरे-धीरे इसे 15 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। यह निवेश एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स यानी निफ्टी50 और सेंसेक्स तक सीमित रहेगा। इसका प्रबंधन एएमसी के फंड मैनेजरों द्वारा किया जाएगा।

मजबूत मांग के कारण सेवा क्षेत्र की वृद्धि नवंबर में तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंची

नयी दिल्ली, । मजबूत मांग के कारण भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि नवंबर में तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर में 55.1 पर था, और यह नवंबर में बढ़कर 56.4 पर पहुंच गया, जो सेवा गतिविधियों में तेज वृद्धि का संकेत देता है। गौरतलब है कि उच्च परिचालन खर्चों के बावजूद वृद्धि दर तीन महीने के उच्च स्तर पर है। सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि ताजा मांग सफल विपणन और बिक्री में लगातार वृद्धि के चलते है। सेवा पीएमआई लगातार 16वें महीने 50 अंक से अधिक है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की में 50 से अधिक अंक गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से कम अंक का अर्थ संकुचन है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, नये कारोबार और उत्पादन में तेजी से वृद्धि के साथ भारतीय सेवा प्रदाताओं ने मजबूत घरेलू मांग का लाभ उठाना जारी रखा। सर्वेक्षण में कहा गया है, रोजगार एक ठोस गति से बढ़ा है, जो तीन वर्षों में सबसे तेज है।

नए साल से यात्री वाहनों के दाम बढ़ा सकती है टाटा मोटर्स

नयी दिल्ली। वाहन कंपनी टाटा मोटर्स अगले महीने से अपने यात्री वाहनों (पीवी) की कीमतें बढ़ा सकती है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह अपने मॉडलों को एक अप्रैल, 2023 से लागू होने वाले उत्सर्जन नियमों के अनुरूप बनाने के लिए यात्री वाहनों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक (यात्री वाहन-इलेक्ट्रिक वाहन) शैलेश चंद्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कीमतों में संशोधन से जिंस कीमतों के प्रभाव को भी दूर किया जा सकेगा, जो साल के अधिकांश समय ऊंचे स्तर पर बनी रही हैं। चंद्रा ने कहा, ''इस नियामकीय बदलाव का लागत पर भी प्रभाव पड़ेगा। वहीं जिंस कीमतों में नरमी का वास्तविक प्रभाव अगली तिमाही से ही आने वाला है।'' उन्होंने कहा कि बैटरी की कीमतें भी बढ़ गयी हैं और अभी तक इसका बोझ बाजार पर नहीं डाला गया है। चंद्रा ने कहा कि इन सब उच्च कीमतों के चलते हम भी मूल्य संशोधन पर विचार कर रहे हैं। बैटरी की कीमतें और नये नियमों ने ईवी खंड को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मॉडलों को नए उत्सर्जन नियमों के अनुरूप ढालने पर भी लागत आएगी। टाटा मोटर्स घरेलू बाजार में पंच, नेक्सन, हैरियर और सफारी जैसे कई मॉडल बेचती है। यह टियागो ईवी और नेक्सन ईवी जैसे उत्पादों के साथ इलेक्ट्रिक वाहन खंड की अगुवाई करती है।

पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने कहा डिजिटल मुद्रा को अभी तय करना है लंबा सफर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने बहुत सीमित उपयोग के लिये प्रायोगिक आधार पर सरल डिजिटल रुपये की शुरुआत की है और सही मायने में बलॉकचेन आधारित डिजिटल मुद्रा के उलट यह पारंपरिक बैंक खाते की ही तरह है, जिसमें लेन-देन को लेकर रुपये के स्थान पर डिजिटल टोकन का उपयोग किया जाएगा। वास्तव में केंद्रीय बैंक को पूर्ण डिजिटल मुद्रा को लेकर अभी लंबा रास्ता तय करना है। आरबीआई के प्रायोगिक तौर पर खुदरा डिजिटल रुपया शुरू किये जाने के साथ पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने यह बात कही है।

उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन यह विकास का कोई प्राथमिक कारक नहीं है। डिजिटल व्यवस्था में सहज लोगों के लिये यह अच्छा है, लेकिन नकदी पर भरोसा करने वाले आम आदमी के लिये यह बहुत मायने नहीं रखता है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने एक दिसंबर को पायलट यानी प्रायोगिक आधार पर खुदरा डिजिटल रुपया चार शहरों मुंबई, नयी दिल्ली, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में शुरू किया। ग्राहकों और कारोबारियों के बीच सीमित स्तर पर लेन-देन को लेकर फिलहाल चार बैंकों भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ इसकी शुरुआत की गयी है।

इससे पहले, आरबीआई ने थोक आधार पर लेन-देन को लेकर (मुख्य रूप से सरकारी प्रतिभूतियों में लेन-देन के लिये) एक नवंबर को डिजिटल रुपये की शुरुआत की थी। आरबीआई के अनुसार, ग्राहक बैंकों द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले अपने मोबाइल ऐप में डिजिटल वॉलेट के माध्यम से डिजिटल रुपये के लिए अनुरोध कर सकेंगे और संबंधित राशि उनके डिजिटल रुपया वॉलेट में जमा हो जाएगी। उपयोगकर्ता भाग लेने वाले बैंकों की तरफ से पेश किए गए डिजिटल वॉलेट के जरिये आपस में या खरीदारी के लिये लेन-देन कर सकते हैं।

गर्ग ने केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के बारे में पीटीआई-से कहा, ''आरबीआई ने पायलट आधार पर बहुत सीमित उद्देश्य के साथ सरल डिजिटल रुपये की शुरुआत की है। ब्लॉकचैन आधारित सीबीडीसी के विपरीत, यह काफी हद तक पारंपरिक बैंक खाते की तरह काम करता है। जिसमें कागजी रुपये के स्थान पर केवल डिजिटल टोकन का उपयोग किया जाता है। पायलट आधार पर शुरू की गयी यह व्यवस्था किसी भी वास्तविक डिजिटल मुद्रा के करीब नहीं हैं।'' डिजिटल मुद्रा से अर्थव्यवस्था और आम लोगों को होने वाले लाभ के बारे में पूछे जाने पर गर्ग ने कहा, ''अर्थव्यवस्था में मुद्रा की महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन मूल्यवर्धन और वृद्धि के लिये यह कोई प्राथमिक कारक नहीं है। बहुत सारी चीजें हैं, जो वृद्धि को गति देती हैं।''

उन्होंने कहा, ''जहां तक आम लोगों का सवाल है, यह उनके लिये बेहतर है, जो डिजिटल व्यवस्था को लेकर सहज हैं। लेकिन अन्य लोगों के लिये यह बहुत मायने नहीं रखती। सीबीडीसी से कोई अवास्तविक अपेक्षाएं न रखना ही बुद्धिमानी होगी।'' एक अन्य सवाल के जवाब में गर्ग ने कहा, ''किसी मुद्रा पर तबतक ब्याज नहीं मिलता जबतक उसे ब्याज अर्जित करने वाले खाते में जमा नहीं किया जाता या कर्ज नहीं दिया जाता। अगर कोई ब्याज कमाना चाहता है, तो डिजिटल करेंसी को अन्य मुद्रा की तरह बैंक खाते में जमा किया जा सकता है। डिजिटल मुद्रा केवल लोगों के डिजिटल भुगतान को सुगम बनाने का तरीका है।''

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 29 नवंबर को डिजिटल मुद्रा पायलट परियोजना की घोषणा करते हुए कहा कि जैसा कि नकदी के मामले में होता है, डिजिटल मुद्रा पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा। हालांकि, इसे बैंकों में जमा समेत पैसे के अन्य रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। सीबीडीसी लाने के मकसद के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, ''वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से डिजिटल हो रही है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिहाज से डिजिटल मुद्रा उपयुक्त है। एक समय दुनिया में धातु के सिक्कों की जगह कागजी मुद्रा को अपनाया गया और अब डिजिटल मुद्रा की ओर बढ़ने की बारी है।

गर्ग ने कहा, ''यह सच है कि बैंक खातों के डिजिटल होने के साथ ही मुद्रा पहले ही डिजिटल हो चुकी है। फर्क सिर्फ इतना है कि अभी भी मुद्रा का आधार कागजी रुपया या भौतिक रूप से नकदी है। जब मुद्रा को भौतिक नकदी की जगह डिजिटल नकदी में बदल दिया जाता है, तो हमारे पास संचालन में डिजिटल मुद्रा होती है। बैंक खाते की जरूरत के बिना कोई भी डिजिटल नकदी से भुगतान कर सकता है।'' पूर्व वित्त सचिव ने यह भी कहा, ''कागजी मुद्रा की तुलना में डिजिटल मुद्रा की लागत में कमी आने की संभावना नहीं है। सरकार वर्तमान में बैंकों और आरबीआई को डिजिटल मुद्रा की लागत वसूलने की अनुमति नहीं देती।

संसदीय पैनल की रिपोर्ट ने आरबीआई गवर्नर के लिए 6 साल के कार्यकाल की सिफारिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम क्या हो सकता है, वित्त पर संसदीय स्थायी समिति द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट में केंद्रीय बैंक के गवर्नर के लिए छह साल का कार्यकाल और डिप्टी गवर्नर की संख्या चार से बढ़ाकर आठ करने का सुझाव दिया गया है।उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, भाजपा सांसद जयंत सिन्हा की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने आरबीआई पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें व्यापक सुधारों का सुझाव दिया गया है।

रिपोर्ट को संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किए जाने की संभावना है, जो 7 दिसंबर से शुरू होने वाला है।

सूत्रों ने कहा कि इसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की मंजूरी का इंतजार है। अध्यक्ष के कार्यालय द्वारा एक बार रिपोर्ट स्वीकृत हो जाने के बाद, इसे निचले सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है।

कहा जाता है कि एक महत्वपूर्ण सुझाव में, रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई के दायरे में राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों को स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक वर्तमान में वित्तीय सेवाओं के विभाग के माध्यम से शासित होते हैं। माना जाता है कि रिपोर्ट में आरबीआई गवर्नर के मौजूदा तीन साल के कार्यकाल को छह साल करने का सुझाव दिया गया है। इसके अलावा, एक बार राज्यपाल का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद, उन्हें उसके बाद किसी अन्य संवैधानिक पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा, जैसा कि रिपोर्ट में सिफारिश की गई है।

समझा जाता है कि पैनल ने डिप्टी गवर्नरों की संख्या मौजूदा चार से बढ़ाकर आठ करने का भी सुझाव दिया है। संसदीय पैनल ने अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिया है कि डिप्टी गवर्नर के पद से नीचे के पदों को लेटरल एंट्री के जरिए भरा जा सकता है। यह भी पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप एक स्वतंत्र ऋण प्रबंधन प्राधिकरण के निर्माण का सुझाव दिया गया है।

अडाणी ग्रीन ने राजस्थान में तीसरा हाइब्रिड संयंत्र चालू किया, दुनिया की सबसे बड़ी पवन-सौर हाइब्रिड बिजली कंपनी'' बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने सोमवार को राजस्थान में अपना तीसरा हाइब्रिड बिजली संयंत्र चालू करने की घोषणा की। इसकी उत्पादन क्षमता 450 मेगावॉट है। एजीईएल ने साथ ही कहा कि वह 1,440 मेगावॉट की परिचालन क्षमता के साथ ''दुनिया की सबसे बड़ी पवन-सौर हाइब्रिड बिजली कंपनी'' बन गई है।

बयानमें कहा गया, ''एजीईएल ने जैसलमेर में अपना तीसरा पवन-सौर हाइब्रिड बिजली संयंत्र शुरू किया है। नए हाइब्रिड बिजली संयंत्र की संयुक्त उत्पादन क्षमता 450 मेगावॉट है। संयंत्र का एसईसीआई के साथ 25 साल के लिए बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। इस परियोजना में 420 मेगावॉट सौर बिजली और 105 मेगावॉट पवन बिजली क्षमता शामिल है।

नए साल में निवेशकों के और ज्यादा आंसू बहा सकता है बिटकॉइन, इस बड़े बैंक ने दी चेतावनी

नई दिल्ली: (एजेंसी)। बिजनेस डेस्कः दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के लिए नया साल और भी ज्यादा बुरा हो सकता है। दुनिया के बड़े बैंकों में से एक स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने अनुमान लगाया है कि नए साल में बिटकॉइन निवेशकों के आंसू और ज्यादा बहा सकता है और इसकी कीमत में 70 फीसदी की गिरावट देखने को मिल सकती है। बैंक ने कहा कि साल 2023 में बिटकॉइन की कीमत 5 हजार डॉलर के पास आ सकते हैं जो कि मौजूदा समय 17,500 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा है।

कितने हो सकते हैं बिटकॉइन के दाम: बैंक के ग्लोबल हेड ऑफ रिसर्च एरिक रॉबर्टसन ने रविवार को एक नोट में लिखा है कि अगले साल लगभग 70 फीसदी यानी कीमत 5 हजार डॉलर तक देखने को मिल सकती है। रॉबर्टसन ने यह भी कहा कि मांग गोल्ड के डिजिटल वर्जन में निवेशकों के शिफ्टी ?होने के कारण बिटकॉइन की कीमतों में भारी गिरावट आने की संभावना है जबकि सोने के दाम में 30 फीसदी का इजाफा देखने को मिल सकता है। रॉबर्टसन ने कहा कि बिटकॉइन की कीमत में गिरावट की असल वजह इकोनॉमी में उथल-पुथल डिजिटल असेट्स में निवेशकों के विश्वास में कमी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह भविष्यवाणियां नहीं कर रहे है, बल्कि उन सिनेरियो पर विचार कर रहे हैं जो भौतिक रूप से मौजूदा बाजार सहमति से बाहर हैं।

क्रिप्टो मार्केट में अब जबरदस्ती की सेल खत्म: सैम बैंकमैन-फ्राइड के एफटीएक्स एक्सचेंज और सिस्टर ट्रेडिंग हाउस अल्मेडा रिसर्च के पतन के बाद डिजिटल असेट्स के लिए आगे क्या है, इस सवाल का जवाब देना यकीनन कभी कठिन नहीं रहा। इस धमाके की वजह से क्रिप्टो कंपनियों और बुफे टोकन की कीमतों में गिरावट का खतरा है। फंडस्ट्रैट में डिजिटल एसेट स्ट्रैटेजी के प्रमुख सीन फैरेल ने शुक्रवार को एक नोट में लिखा कि क्रिप्टो मार्केट में अब जबरदस्ती की सेल खत्म हो चुकी है। फैरेल ने डिजिटल करेंसी ग्रुप, सकंट में घिरी हुई क्रिप्टो ब्रोकरेज जेनेसिस की मूल कंपनी के आसपास चल रही अनिश्चितता की ओर इशारा किया। ब्रोकरेज को दिवालिया होने से बचाने के लिए जेनेसिस के लेनदार विकल्प तलाश रहे हैं।

गोल्ड को मिल सकता है फायदा

स्टैंडर्ड चार्टर्ड के रॉबर्टसन ने कहा कि क्रिप्टो करेंसी मार्केट में गिरावट का फायदा गोल्ड की कीमत को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि अगले सालद सोने की कीमत 2,250 डॉलर प्रति औंस देखने को मिल सकती है, जोकि मौजूदा समय में 1850 डॉलर प्रति ओंस से कम है। बीते कुछ दिनों में सोने की कीमत में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है।

यूरोपीय संघ के यात्री जल्द ही विमानों में 5जी तकनीक का कर सकेंगे इस्तेमाल

लंदन (एजेंसी)। मीडिया ने बताया कि यूरोपीय संघ (ईयू) में एयरलाइन यात्री जल्द ही अपने फोन में 5जी तकनीक का पूरी तरह से उपयोग कर सकेंगे।बीबीसी के अनुसार, यूरोपीय आयोग ने फैसला सुनाया कि एयरलाइंस बोर्ड विमानों पर धीमे मोबाइल डेटा के साथ-साथ 5जी तकनीक की पेशकश कर सकती हैं। इसके साथ, यात्रियों को अब अपने फोन को फ्लाइट मोड में रखने की आवश्यकता नहीं होगी, हालांकि यह कैसे लागू किया जाएगा इसका विवरण बाद में दिया जाएगा। आंतरिक बाजार के यूरोपीय संघ के आयुक्त थिएरी ब्रेटन ने कहा, लोगों के लिए नवीन सेवाओं को सक्षम करें और यूरोपीय कंपनियों को बढ़ने में मदद करें। उन्होंने कहा, जब सुपर-फास्ट, उच्च-क्षमता कनेक्टिविटी द्वारा पेश की जाने वाली संभावनाओं की बात आती है तो आकाश में अब कोई सीमा नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, सदस्य राज्यों के लिए विमानों के लिए 5जी फ्रीक्वेंसी बैंड उपलब्ध कराने की समय सीमा 30 जून, 2023 है। यह लोगों को अपने फोन की सभी सुविधाओं का उपयोग उड़ान के बीच में कॉल सक्षम करने के साथ-साथ संगीत और वीडियो स्ट्रीम करने वाले डेटा-भारी ऐप्स करने देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2008 से, यूरोपीय संघ आयोग ने विमानों के लिए कुछ फ्रीक्वेंसी बैंड आरक्षित किए हैं, जिससे कुछ सेवाओं को इन-फ्लाइट इंटरनेट एक्सेस प्रदान करने की अनुमति मिलती है। हालाँकि, यह सेवा ऐतिहासिक रूप से धीमी रही है क्योंकि यह लोगों को विमान और जमीन के बीच उपग्रह के माध्यम से जोड़ने के लिए उपकरणों पर निर्भर थी।

स्पाइसजेट के परिचालन में सुधार, पुनर्गठन के लाभ दिसंबर तिमाही में देखने को मिलेंगे: अजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन कंपनी स्पाइसजेट को उम्मीद है कि परिचालन में सुधार और पुनर्गठन के लाभ उसे चालू तिमाही में देखने को मिल सकते हैं। एयरलाइन अपनी भावी योजनाओं के लिए 20 करोड़ डॉलर का कोष जुटाने का प्रयास भी कर रही है। एयरलाइन के प्रमुख अजय सिंह ने शेयरधारकों को बताया है कि विनिर्माताओं और पट्टादाताओं समेत अपने ज्यादातर प्रमुख साझेदारों के साथ वह निपटान पूरे कर चुकी है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एयरलाइन की वार्षिक रिपोर्ट में अपने संदेश में सिंह ने कहा कि दुनियाभर में एयरलाइन उद्योग बड़े परिवर्तन से गुजर रहा है। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सिंह ने कहा, ''ईंधन की आसमान छूती कीमतें, रुपये में गिरावट, यात्रियों की मांग और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से वृद्धि योजना प्रभावित हुई और घाटा बढ़ गया।'' एयरलाइन के लॉजिस्टिक्स कारोबार को स्पाइसएक्सप्रेस को स्थानांतरित करने की मंजूरी शेयरधारकों ने दे दी है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश, नई योजनाओं के लिए 14,000 करोड़ रुपये का प्रावधान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन वित्त वर्ष 2022-23 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया। इसमें करीब 14 हजार करोड़ रुपये की नई योजनाओं का प्रावधान किया गया है। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिये 33,76,954.67 लाख रुपये की अनुपूरक अनुदान की मांगों को सदन में पेश किया। इसमें 13,75,684.28 लाख रुपये के राजस्व लेखे और 20,01,270.39 लाख रुपये के पूंजी लेखे शामिल हैं।

इसके पूर्व, सदन में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर सत्तापक्ष और विपक्ष के विभिन्न सदस्यों ने शोक व्यक्त किया। उसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये स्थगित कर दी गयी। सरकार की तरफ से जारी बयान के मुताबिक अनुपूरक बजट में वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ के लिये 521 करोड़ 55 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा अगले साल फरवरी में लखनऊ में आयोजित होने जा रहे वैश्विक निवेशक सम्मेलन-2023 के आयोजन के लिये 296 करोड़ 56 लाख रुपये का प्रस्ताव किया गया है। उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति- 2022 के तहत अयोध्या सोलर सिटी के विकास के लिये ढाई करोड़ रुपये रखे गए हैं।

अनुपूरक बजट में प्रयागराज में भजन संध्या स्थल के निर्माण के लिये एक करोड़ रुपये, सीतापुर के नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केन्द्र की स्थापना के लिये पांच करोड़ और भातखण्डे संगीत संस्थान को अनुदान के लिये 57 लाख 65 हजार रुपये का प्रस्ताव किया गया है। साथ ही स्मार्ट सिटी मिशन के लिये 899 करोड़, उत्तर प्रदेश में होने वाली जी-20 सम्मेलन की बैठकों के आयोजन के लिये 25 करोड़ रुपये, स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत टैबलेट और स्मार्ट फोन के वितरण के लिये 300 करोड़, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये 10 अरब चार करोड़ 40 लाख 60 हजार रुपये, स्टार्टअप व इन्क्यूबेटर के लिए 100 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

बयान के मुताबिक, सबसे ज्यादा 8,000 करोड़ रुपये की राशि औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को निजी औद्योगिक पार्क तथा हब को विकसित करने के लिए प्रस्तावित की गयी है। इसके अलावा 10 जिलों में पायलट परियोजना के तहत न्यायालय परिसरों के निर्माण के लिए 400 करोड़ का प्रावधान है। सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है।

आजमगढ़ के हरिहरपुर में संगीत महाविद्यालय की स्थापना के लिये पांच करोड़ रुपये रखे गए हैं। अनुपूरक बजट में लखनऊ स्थित कुकरैल वन क्षेत्र में नाइट सफारी पार्क की स्थापना के लिये 10 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री विवेकाधीन अनुदान के लिये 150 करोड़, पिछड़े वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी के लिये आर्थिक सहायता की मद में 75 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

अंडर19 महिला टी20 विश्व कप के पहले सीजन में भारत की कप्तानी करेंगी शेफाली वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सोमवार को अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के पहले सीजन और दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम के खिलाफ आगामी द्विपक्षीय टी-20 सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है।

शेफाली के अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष को भी अखिल भारतीय महिला चयन समिति द्वारा टीम में चुना गया। जिसमें श्वेता सहरावत उपकप्तान होंगी।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए शेफाली और ऋचा का चयन आश्चर्यजनक है, यह देखते हुए कि दोनों विशाखापत्तनम में श्रीलंका और वेस्टइंडीज अंडर19 टीमों के साथ-साथ न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की श्रृंखला के माध्यम से भारत की अंडर19 टीम की तैयारी में शामिल नहीं थीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 दिसंबर से मुंबई में शुरू होने वाली सीनियर महिला पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलने के बाद शेफाली और ऋचा भारत अंडर-19 टीम में शामिल होंगी। 2019 में, 15 साल की उम्र में, शेफाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में डेब्यू कर भारत के लिए महिला टी20 मैच खेलने वाली सबसे कम उम्र की क्रिकेटर बन गई थीं।

18 वर्ष की शेफाली ने भारत की सीनियर महिला टीम के लिए 21 एकदिवसीय और 46 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें दो टेस्ट मैचों में 242 रन बनाने के अलावा क्रमशः 531 और 1091 रन बनाए हैं। वह 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए महिला टी20 विश्व कप से पहले नंबर एक टी20 बल्लेबाज भी रहीं। 19 साल की ऋचा भी शेफाली की तरह अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं और निचले क्रम में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने भारत के लिए क्रमशः 17 वनडे और 25 टी20 मैचों में 311 और 314 रन बनाए हैं। भारत की अंडर-19 टीम में अन्य प्रभावशाली खिलाड़ी हैं, जैसे दाएं हाथ की बल्लेबाज सौम्या तिवारी और जी त्रिशा, तेज गेंदबाज हर्लें गाला, बाएं हाथ की स्पिनर मन्नत कश्यप, विकेटकीपर-बल्लेबाज हर्षिता बसु, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया है।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का पहला संस्करण जिसमें 16 टीमें होंगी, 14 से 29 जनवरी, 2023 तक दक्षिण अफ्रीका में होगा। भारत को दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स राउंड में आगे बढ़ेंगी, जहां टीमों को छह के दो समूहों में रखा जाएगा। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 27 जनवरी को पोटचेफस्ट्रम में जेबी माक?स ओवल में खेला जाएगा। फाइनल 29 जनवरी को इसी मैदान पर होगा। आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप के लिए भारत अंडर-19 महिला टीम - शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत (उप-कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्लें गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर), सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी, शिखा, नजला सीएमसी और यशश्री।

एसए टी20 के लिए भारत अंडर-19 महिला टीमः शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत (उपकप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्लें गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर), सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी, शिखा, नजला सीएमसी और यशश्री।

पैरा विश्व चैंपियनशिप में सुकांत कदम को स्वर्ण, भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैरा विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सुकांत कदम की अगुआई में भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लीमा में पेरू पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण पदक जीते। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कदम ने पुरुष एकल एसएल4 वर्ग के फाइनल में सिंगापुर के ची हियोंग आंग को 21-14 21-15 से हराया जबकि एसएल3 वर्ग में निहाल गुप्ता ने फ्रांस के मथीयू थॉमस को 21-16 21-14 से शिकस्त दी।

कदम ने खिताब जीतने के बाद कहा, ''मैं नतीजे से काफी खुश हूं, मैं कड़ी ट्रेनिंग कर रहा था। मेरे लिए साल अच्छा रहा और उम्मीद करता हूं कि अगले साल भी यह निरंतरता बरकरार रखूंगा।'' महिला वर्ग में नित्या श्री सुमति सिवन और मनदीप कौर ने क्रमशः एसएच6 और एसएल3 एकल वर्ग में खिताब जीते। नित्या ने पेरू की गुडलियाना पोवेदा फ्लोरेस को 21-6 21-13 जबकि मनदीप ने युक्रेन की ओकसाना कोजीना को 21-11 21-11 से हराया।

निहाल और ब्रेनो जोहान (एसएल3-एसएल4) की पुरुष युगल जोड़ी तथा पारूल परमार और वैशाली निलेश पटेल (एसएल3-एसयू5) की महिला युगल जोड़ी ने भी अपनी स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक जीते। निहाल और ब्रेनो ने रेंजो डिक्रेज बेंसेज मोरालेस और पेड्रो पाब्लो डि विनाशिया की पेरू की जोड़ी को 21-16 21-13 से शिकस्त दी जबकि पारूल और वैशाली ने पेरू की केली एडिथ एरि एस्केलेंटे और मनदीप की जोड़ी को 21-17 21-19 से हराया।

मैच हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों पर पड़ी दोहरी मार, धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

मीरपुर (एजेंसी)। । भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश के खिलाफ हुआ पहला मुकाबला एक विकेट से हार गई थी। इस मैच में हार के बाद टीम पर दोहरी मार पड़ी है। खिलाड़ियों पर बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां खेले गए पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में धीमी ओवर गति के लिए उनकी मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। भारतीय टीम ने निर्धारित समय में कम ओवर फेंके थे, जिस कारण ये जुर्माना लगाया गया है।

भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच एक विकेट से गंवाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पैनल के मैच रेफरी रंजन मदुगले ने यह जुर्माना लगाया क्योंकि भारत ने निर्धारित समय में चार ओवर कम किए थे। खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के धीमी ओवर गति से जुड़े अनुच्छेद 2.22 के अनुसार निर्धारित समय में ओवर पूरे न करने पर खिलाड़ियों पर प्रति ओवर की दर से उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

आईसीसी के बयान के अनुसार भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने यह जुर्माना स्वीकार कर लिया है और इसलिए इस मामले में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर माइकल गॉ और तनवीर अहमद, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर गाजी सोहेल ने भारतीय टीम पर धीमी ओवर गति के आरोप लगाए थे। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे बुधवार को खेला जाएगा।

पाकिस्तान बनाम इंगलैंड: इंगलैंड ने 74 रन से जीता रावलपिंडी टेस्ट, यह प्लेयर बना स्टार

रावलपिंडी (एजेंसी)। रावलपिंडी के मैदान पर इंगलैंड ने आखिरकार रनों की बरसात वाले पहले टेस्ट मैच में जीत हासिल कर ली है। पाकिस्तान को जीत के लिए दूसरी पारी में 343 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन इंगलैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान को 268 रन पर रोककर 74 रन से जीत हासिल कर ली। इंगलैंड को टेस्ट में जीत दिलाने के लिए जेम्स एंडरसन और ओली रॉबिन्सन ने बड़ी भूमिका निभाई। पाकिस्तान को आखिरी सीजन में 146 रन बनाने का लक्ष्य मिला था जबकि उनके पास पांच विकेट पड़े थे। पाकिस्तान गेम ड्रा करवा सकता था लेकिन एंडरसन-रॉबिन्सन ने शानदार गेंदबाजी कर पाकिस्तान को पहले ही आऊट कर दिया और अपनी टीम को जीत दिला दी।

इंगलैंड करीब 17 साल बाद ऐतिहासिक दौरे के लिए पाकिस्तान आई थी। इंगलैंड ने पहली पारी में इतिहास बना दिया जब पहले ही दिन स्कोरबोर्ड पर 506 रन नजर आए। इंगलैंड के चार बल्लेबाज जैक क्राउले, बेन डंकेट, ओली पोप और हैरी ब्रूक की ओर से शतक आया। इंगलैंड ने कुल 657 रन बनाए जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भी शफीक, इमाम उल हक और कप्तान बाबर आजम के शतकों की बदौलत 579 रन बना लिए। लीड हासिल करने के बाद पाकिस्तान ने दूसरी पारी में हैरी ब्रूक के 87 रनों की बदौलत 264 रन बनाए जिससे पाकिस्तान को 343 रन का लक्ष्य मिला था। पाकिस्तान टीम अच्छे टच में होने के बावजूद मैच जीत नहीं पाई।

इंगलैंड के लिए टेस्ट जीतने में बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खास तौर पर बल्लेबाजी में हैरी ब्रूक ने कमाल की पारियां खेली। हैरी ने पहली पारी में जहां 116 गेंदों में 19 चौके और पांच छक्कों की मदद से 153 रन बनाए तो वहीं, दूसरी पारी में 65 गेंदों में 11 चौके और 3 छक्कों की मदद से 87 रन बनाए। इसी तरह जेम्स एंडरसन ने दूसरी पारी में 36 रन देकर चार विकेट लिए और अपनी टीम को जीत की राह बनाई।

बता दें कि पाकिस्तान दौरे से पहले ही इंगलैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने स्पष्ट कर दिया था कि वह इस दौरे पर टेस्ट ड्रा करवाने के लिए नहीं खेलेंगे। स्टोक्स का यह बयान तब सच होता नजर आया जब पहली पारी में ही इंगलैंड ने 657 रन दाग दिए। इसके बाद अच्छी पिच पर पाकिस्तान को 343 का संभव लक्ष्य दिया गया था जिसे पाकिस्तान क्रिकेट टीम हासिल नहीं कर पाई।

पेले के स्वास्थ्य को लेकर बेटियों ने दिया बड़ा अपडेट, ऐसी है तबियत

साओ पाउलो। ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले कैंसर के इलाज के साथ ही कोविड 19 से जूझ रहे हैं। फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ी की सेहत की काफी चिंता कर रहे हैं। वहीं 82 वर्षीय पेले को श्वसन संक्रमण की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोविड 19 और श्वसन संक्रमण के कारण पेले को कुछ समय पूर्व ही अस्पताल में भर्ती किया गया था। हाल ही में परिवार की तरफ से जारी किए गए अपडेट के मुताबिक पेले को जान का खतरा नहीं है। इस संबंध में पेले की दोनों बेटियों ने कहा कि तीन बार विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे पेले अस्पताल में भर्ती हैं, लेकिन उन्हें जान का खतरा नहीं है। केली और फ्लाविया नैसिमेंटो ने रविवार रात प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा कि पेले को सांस के संक्रमण से पूरी तरह ठीक होने के बाद साओ पाउलो में अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। बता दें कि दुनिया भर में पेले के नाम से मशहूर एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो को लंबे समय से कैंसर है जिसके लिए उनकी कीमोथेरेपी भी चल रही है। उन्हें वर्ष 2021 में कैंसर होने की सूचना मिली थी। इससे पहले शनिवार को अस्पताल ने बताया था कि पेले के संक्रमण का इलाज किया जा रहा है जिसके लिए वो अच्छे से प्रतिक्रिया दे रहे है। पिछले 24 घंटे में उनकी स्वास्थ्य स्थिति खराब नहीं हुई है। अस्पताल ने पूर्व फुटबॉलर के स्वास्थ्य के बारे में रविवार को कोई बयान जारी नहीं किया।

भारत 70-80 रन ज्यादा नहीं बना पाया, इसलिए हार गया : सुनील गावस्कर

ढाका। महान भारत के बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने 70-80 कम बनाए, जिसके कारण मीरपुर में शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम (एसबीएनसीएस) में एक विकेट से बांग्लादेश ने पहला वनडे जीत लिया। नौवें नंबर तक बल्लेबाजी होने के बावजूद, भारत ने धीमी पिच पर निराशाजनक बल्लेबाजी की। केएल राहुल को छोड़कर, जिन्होंने 70 गेंदों पर 73 रन बनाए, 41.2 ओवरों में 186 रनों पर ढेर हो गए। बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पैदा किया और उन्होंने 5/36 विकेट हासिल किए, जबकि तेज गेंदबाज ईबादत हुसैन शॉर्ट गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान करते नजर आए और 4/47 विकेट झटक लिए। गावस्कर ने यह मानने से भी इंकार कर दिया कि 43वें ओवर में जब बल्लेबाज 15 रन पर था तब राहुल का महेदी हसन मिराज का कैच छूटने से भारत की हार में निर्णायक भूमिका निभाई। आप वास्तव में यह नहीं कह सकते कि यह कैच था। क्योंकि हां, मुझे लगता है कि वह आखिरी विकेट था। उसे मैच खत्म कर देना चाहिए था। गावस्कर ने प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क से कहा, लेकिन तथ्य यह है कि भारत ने 186 रन बनाए, मुझे लगता है कि यह मेजबान टीम के लिए मुश्किल कुल नहीं था। मुझे लगता है कि भारत ने 70-80 रन अधिक नहीं बनाए, यही कारण है कि वे हार गए। भारत ने 186 के अपने बचाव में पहली ही गेंद पर एक विकेट लिया और 26 गेंदों के अंतराल में बांग्लादेश को 128/4 से 136/9 तक कर दिया। लेकिन मेहदी ने नाबाद 38 रन बनाए और 41 गेंदों पर 51 रनों की नाबाद आखिरी विकेट की साझेदारी की, जिसमें मुस्तफिजुर रहमान दस रन बनाकर बांग्लादेश को रोमांचक जीत दिलाने में सफल रहे। गावस्कर ने कहा, गेंदबाजों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, खुद को उस स्थिति में लाने के लिए जहां वे 136-9 थे। और फिर मेहदी हसन मिराज आए, उन्हें उस ड्रॉप कैच के साथ थोड़ा भाग्य मिला, लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छा खेला। उन्होंने समझदारी से पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने विपक्ष पर हमला किया और कुछ बेहतरी शॉट लगाए। भारत ने 186 के अपने बचाव में पहली ही गेंद पर एक विकेट लिया और 26 गेंदों के अंतराल में बांग्लादेश को 128/4 से 136/9 तक कर दिया।

भारत ने 2027 एएफसी एशियाई कप के आयोजन की बोली ली वापस, सऊदी अरब एकमात्र दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को 2027 एएफसी एशियाई कप के आयोजन की बोली वापस ले ली और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि इस समय बड़ी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करना उसकी 'रणनीतिक प्राथमिकताएं' नहीं हैं। ईरान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों के अक्टूबर में दौड़ से हटने के बाद भारत और सऊदी अरब 2027 में होने वाली महाद्वीप की शीर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी के दो दावेदार बचे थे।

एफआईएफएफ के तत्कालीन अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने 2020 में भारत की बोली की नींव रखी थी लेकिन कल्याण चौबे की अगुआई वाले मौजूदा प्रशासन का मानना है कि जमीनी स्तर पर काम और युवा विकास के जरिए फुटबॉल ढांचे का आधार खड़ा करना बड़ी प्रतियोगिताओं की मेजबानी से अधिक महत्वपूर्ण है। एआईएफएफ की विज्ञप्ति में कार्यकारी समिति के हवाले से कहा गया, ''इस महीने घोषित होने वाले महासंघ के रणनीतिक खाके के अनुसार एफआईएफएफ प्रबंधन को लगता है कि बड़ी प्रतियोगिताओं की मेजबानी महासंघ की रणनीतिक प्राथमिकताओं में फिट नहीं बैठती।''

इसके अनुसार, ''अभी हमारा ध्यान फुटबॉल ढांचे का आधार तैयार करने पर है जिसके बाद एएफसी एशियाई कप जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की मेजबानी के बारे में सोचा जाएगा।'' चौबे ने कहा कि भारत हमेशा बड़ी प्रतियोगिताओं को शानदार और प्रभावशाली मेजबान रहा है जैसा कि हाल में संपन्न फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में भी देखने को मिला लेकिन अब ध्यान प्रत्येक स्तर पर देश के फुटबॉल को मजबूत करने पर है जिसमें जमीनी स्तर से युवा विकास तक सारे स्तर शामिल हैं।

एएफसी ने कहा है कि वह अब 2027 टूर्नामेंट की मेजबानी की सऊदी अरब की दावेदारी मनामा में फरवरी में अपनी कांग्रेस में रखेगा। एएफसी ने कहा, ''एआईएफएफ ने एएफसी एशियाई कप 2027 की मेजबानी की चयन प्रक्रिया से हटने के अपने फैसले से आधिकारिक रूप से एएफसी को अवगत करा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''फरवरी 2023 में बहरीन के मनामा में एएफसी कांग्रेस में मेजबान का फैसला होगा।

इंग्लैंड और फ्रांस की टीम ने बनाई क्वार्टरफाइनल में जगह, ऐसा रहा है सफर

दोहा । फीफा विश्व कप 2022 में क्वार्टरफाइनल मुकाबले नौ दिसंबर से खेले जाएंगे। कतर में जारी विश्व कप 2022 के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की टीम ने अफ्रीकी चैंपियन सेनेगल को मात दी। वहीं फ्रांस की टीम भी पौलैंड को हराकर क्वार्टर फाइनल में एंट्री ले चुकी है। अब दोनों ही टीमों का मुकाबला नौ दिसंबर को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में होगा।

इंग्लैंड की टीम 10वीं बार क्वार्टरफाइनल में

इंग्लैंड की टीम फीफा विश्व कप की मजबूत टीमों में शुमार है। फीफा विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम 10वीं बार क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पहुंची है। इससे पहले इंग्लैंड की टीम 1954, 1962, 1966, 1970, 1986, 1990, 2002, 2006 और 2018 के विश्व कप के दौरान क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल हुई थी। इंग्लैंड की टीम इससे पहले वर्ष 2018 में रूस में हुए विश्व कप के दौरान चौथे स्थान पर रही थी। इंग्लैंड ने इस विश्व कप के दौरान कुल 12 गोल किए थे जबकि इस वर्ष कप में यानी फीफा विश्व कप 2022 में इंग्लैंड की टीम 12 गोल कर चुकी है। ये इंग्लैंड की टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

गत चैंपियन है फ्रांस

फ्रांस की टीम फीफा विश्व कप की गत चैंपियन रही है। वर्ष 2018 में हुए फीफा विश्व कप में फ्रांस की टीम ने 4-2 से क्रोएशिया की टीम को मात दी थी। वहीं इस बार फ्रांस की टीम ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पोलैंड को 3-1 से मात दे दी है। इसी के साथ फ्रांस ने अपना 40 वर्षों पुराना हिसाब भी चुकता कर दिया है। फ्रांस कीटीम ने वर्ष 1982 में हुए विश्व कप मुकाबले में पोलैंड से हार का सामना किया था। फ्रांस की टीम के युवा स्टार किलियन एम्बाप्पे ने पोलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में दो गोल दागे थे। ओलिवर जिरूड ने भी मुकाबले में एक गोल किया था।

ओलिवर जिरूड ने इस मुकाबले में बड़ी सफलता हासिल की है। जिरूड फ्रांस के लिए सर्वाधिक गोल यानी 52 गोल करने वाले खिलाड़ी है। इस उपलब्धि के साथ ही जिरूड ने पूर्व दिग्गज थिएरी हेनरी के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। वहीं फ्रांस की टीम का ये नौवां मौका है जब विश्व कप में टीम ने अंतिम आठ में जगह बनाई है। फ्रांस की टीम 1938, 1958, 1982, 1986, 1998, 2006, 2014, 2018 में क्वार्टरफाइनल मुकाबले में एंट्री कर चुकी है। बता दें कि फ्रांस की टीम दो बार की विश्व चैंपियन भी रह चुकी है। वर्ष 1998 और 2018 में भी टीम खिताब पर कब्जा कर चुकी है।

विश्व कप में नौ गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

एम्बाप्पे फ्रांस की टीम के इस टूर्नामेंट में सबसे सफल खिलाड़ी साबित हुए है। 23 वर्षीय केलियन एम्बाप्पे ने इस विश्व कप में पांच गोल और वर्ष 2018 के विश्व कप में चार गोल किए थे। दो विश्व कप में नौ गोल करने वाले केलियन एम्बाप्पे दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए है। वहीं विश्व कप में नौ गोल करने वाले केलियन नौवें खिलाड़ी है।

जरूरत पड़ने पर विकेटकीपर की भूमिका निभाऊंगा: केएल राहुल

एडिलेड (एजेंसी)। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज केएल राहुल यहां बांग्लादेश के खिलाफ शेष दो वनडे में विकेटों के पीछे कीपिंग की अपनी भूमिका को जारी रखने की उम्मीद कर रहे हैं। 30 वर्षीय राहुल ने कहा कि उन्होंने पहले भी ऐसा किया है और आवश्यकता पड़ने पर इसे आगे भी करेंगे। पहली पसंद विकेटकीपर ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान 73 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और सलामी बल्लेबाज लिटन दास का महत्वपूर्ण कैच भी लिया, हालांकि मेजबान टीम ने एक विकेट से मैच जीत लिया। यह पहली बार था जब राहुल ने भारत के वनडे टीम में एक साल से अधिक समय तक विकेट कीपिंग की थी, लेकिन अनुभवी दाएं हाथ के बल्लेबाज उस भूमिका को जारी रखने के इच्छुक हैं, जो चयनकर्ताओं का मानना है कि यह सबसे अच्छा विकल्प है। राहुल ने मैच के बाद कहा, हमने पिछले छह या सात महीनों में ज्यादा वनडे मैच नहीं खेले हैं, लेकिन अगर आप देखें, तो 2020 या 2021 के बाद से, मैंने वनडे प्रारूप में विकेट कीपिंग की है, और मैंने नंबर 4 और 5 पर बल्लेबाजी की है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी भूमिका है जिसके लिए टीम ने मुझे तैयार रहने के लिए कहा है। मैंने इसे पहले भी किया है, और जब भी टीम चाहती है कि मैं यह भूमिका निभाऊं, तो मैं यह भूमिका निभाऊंगा। राहुल ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान भारत के लिए दो अर्धशतक बनाए, लेकिन आईसीसी के अनुसार, चार पारी में दहाई के आंकड़े तक पहुंचने में विफल रहे और टूर्नामेंट में 21.33 की औसत से सिर्फ 128 रन बनाए। राहुल ने कहा कि वह टी20 विश्व कप के बाद से अपनी बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक और सफेद गेंद अर्धशतक के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रनों के बीच वापस आकर खुश हैं। राहुल ने कहा, यह उन दिनों में से एक था, जहां हर किसी के अलावा, मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं अच्छा कर रहा था और जो शॉट मैंने मारे बाउंड्री पर गई है, जो भी किया है वह बेहतर हुआ है। राहुल ने कहा कि वह टी20 विश्व कप के बाद से अपनी बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक और सफेद गेंद अर्धशतक के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रनों के बीच वापस आकर खुश हैं। उन्होंने कहा, अगर मैं अंत तक बल्लेबाजी करता तो मुझे 230-240 का अनुमान था। (मोहम्मद) सिराज मेरे साथ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। इसलिए अगर मैं 10 ओवर और बल्लेबाजी कर सकता था और 30-40 रन बना सकता था, तो इससे बहुत फर्क पड़ता।

भारतीय टीम के पास हॉकी में विश्व चैंपियन बनने के लिए सब कुछ मौजूद: पाक के पूर्व कप्तान

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी टीम के पूर्व कप्तान ताहिर जमां का मानना है कि भारत 47 साल के इंतजार के बाद दोबारा विश्व चैंपियन बन सकता है अगर वे मेजबान होने के दबाव का सामना कर पाएं और अपने खेल में निरंतरता दिखाएं। पाकिस्तान की 1994 विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे जमां ने कहा कि स्वदेश में बड़े टूर्नामेंट में खेलने के अपने फायदे और नुकसान होते हैं।

जमां ने कहा, 'मैं कहूंगा कि इस बार भारत के पास अच्छा मौका है। ईमानदारी से कहूं तो घरेलू मैदान, घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का फायदा है, लेकिन उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह नुकसान की स्थिति भी हो सकती है। घरेलू दर्शकों और स्थानीय मीडिया के दबाव से उन्हें सावधान रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, अनुशासित हॉकी खेलने और भावुक नहीं होने से मदद मिलेगी। मैं कहूंगा कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में मैंने जो निरंतरता देखी है उससे पता चलता है कि उनके पास वह सब कुछ है जो उन्हें इस बार विश्व चैंपियन बना सकता है।'

एफआईएच विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जाएगा। अपने जमाने के दिग्गज फारवर्ड जमां को लगता है कि आगामी टूर्नामेंट बेहद प्रतिस्पर्धी होगा। उन्होंने कहा, 'फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जो किसी भी तरह का उलटफेर कर सकती हैं लेकिन दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, जर्मनी और शायद अर्जेंटीना बड़ी टीमें हैं जिन पर नजर रखनी होगी।' पाकिस्तान के लिए 252 अंतरराष्ट्रीय मैच में 134 गोल करने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'मैं इस बार ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड को बेल्जियम से ऊपर रखूंगा। लेकिन देखते हैं टूर्नामेंट कैसे आगे बढ़ता है। सबसे अच्छी टीम विश्व कप जीते।'

फीफा विश्व कप : पोलैंड के खिलाफ मैच में 52वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर, फ्रांस की ओर से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने गिरोड

दोहा । राष्ट्रीय टीम की ओर से सर्वाधिक गोल दागने वाला खिलाड़ी बनने के बाद ओलीवियर गिरोड की नजरें फ्रांस को लगातार दूसरा फुटबॉल विश्व कप खिताब दिलाने में मदद करने पर टिकी हैं। रविवार को प्री क्वार्टर फाइनल में पोलैंड के खिलाफ 3-1 की जीत के दौरान गिरोड ने 52वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर अपने देश की ओर से सर्वाधिक गोल करने के मामले में थियेरी हेनरी को पीछे छोड़ा। गिरोड ने कहा, ''मैं यह गोल (पोलैंड के खिलाफ) करने के लिए बेताब था। इस गोल के बाद मैं राहत महसूस कर रहा हूं।''

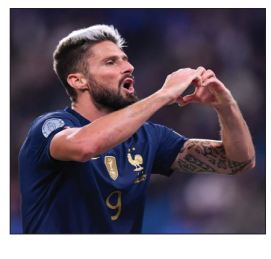

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहली मुलाकात में ठीक से जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहांवहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या?

आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं।

लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी। उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।' बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें । सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.यही है.रंग रूप, थोड़े गम हैं थोड़ी खुशियां यही हैं.यही हैयही है छांव धूप.

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट-

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्रायः भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

ब्राइट स्किन के लिए इस तरह चेहरे पर लगाएं शहद और केसर

हर महिला की इच्छा होती है कि उसकी स्किन लाइटन, ब्राइटन और ग्लोइंग नजर आए। आमतौर पर महिलाएं अपनी नेचुरल ब्यूटी को बढ़ाने के लिए बाजार में मिलने वाली तरह-तरह की क्रीम का सहारा लेती हैं। जहां एक ओर मार्केट में मिलने वाले यह ब्यूटी प्रॉडक्ट आपकी जेब धीरे-धीरे खाली कर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कभी-कभी इनके विपरीत परिणाम भी देखने को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही ब्राइट स्किन पाने के लिए शहद और केसर से बनने वाले फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इस बेहतरीन होममेड फेस पैक के बारे में-

ऐसे बनाएं फेस मास्क

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा छोटा चम्मच केसर लें और एक बाउल में केसर के साथ एक चम्मच शहद मिक्स करें। जब यह अच्छी तरह मिक्स हो जाए तो पहले अपने फेस को अच्छी तरह साफ करें। इसके बाद आप फेस मास्क ब्रश की मदद से इस पैक को अपने चेहरे पर अप्लाई करें और करीबन दस मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को वॉश करें।

रखें इसका ध्यान

अगर आप इस फेस मास्क को अपने चेहरे पर अप्लाई कर रही हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो आप आर्गेनिक शहद ही खरीदें ताकि स्किन पर किसी भी तरह की इरिटेशन या अन्य समस्या होने का खतरा ना रहे। वहीं
अगर आप

केसर को पाउडर नहीं कर सकतीं तो ऐसे में आप केसर के धागों को ही शहद में मिक्स करें। आप इस मास्क को अपनी किचन सिंक या बाथरूम में अप्लाई करें ताकि वह टपककर जमीन पर ना गिरे और फिर आपको इसे क्लीन करने की मेहनत अलग से ना करनी पड़े।

मिलते हैं यह लाभ

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस मास्क से आपकी स्किन को कई बेहतरीन लाभ मिलते हैं। सबसे पहले तो शहद आपकी त्वचा को साफ और मॉइस्चराइज करेगा। इसमें जीवाणुरोधी गुण भी होते हैं जो आपकी त्वचा को बैक्टीरिया और मुंहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं से मुक्त रखेंगे। वहीं शहद और केसर का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को ब्राइटन व लाइटन करके स्किन कॉम्पलेक्शन को बेहतर बनाता है।

कनाडा में सिख महिला की गोली मारकर हत्या, लक्षित ' हत्या का मामला

टोरंटो। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में एक 21 वर्षीय कनाडाई-सिख महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह 'लक्षित' हत्या का मामला प्रतीत होता है। पील्स क्षेत्रीय पुलिस द्वारा रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पीड़िता की पहचान ब्रैम्पटन की पवनप्रीत कौर के रूप में हुई है, जिसे ओंटारियो प्रांत के मिसिसॉगा शहर में शनिवार रात एक अज्ञात हमलावर ने गोली मार दी थी। टोरंटो सन अखबार के अनुसार, कौर को एक गैस स्टेशन के बाहर गोली मारी गई। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस को रात करीब 10 :39 बजे एक महिला को गोली मारे जाने की सूचना मिली। उसे बचाने का प्रयास किया गया लेकिन पीड़िता ने दम तोड़ दिया। पुलिस इसे 'लक्षित' घटना मान रही है। ड्यूटी-इंस्पेक्टर टिम नागतेगल के हवाले से समाचारों में कहा गया है कि कौर को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। संदिग्ध के बारे में बहुत कम जानकारी दी गई। नागतेगल ने कहा, 'हम इस समय संदिग्ध आरोपी की लैगिंग पहचना बताने में सक्षम नहीं हैं। अपराधी को घटनास्थल से भागते हुए देखा गया, जिसने गहरे रंग के कपड़े पहने हुए थे।' एक चश्मदीद गवाह कार्मेला संडोवाल के हवाले से टोरंटो सन अखबार में कहा गया है, 'हमने उसे (पीड़िता) गिरते हुए देखा और फिर अचानक बंदूकधारी ने उसके सिर पर बंदूक तान दी।' यह घटना कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में हाई स्कूल की पार्किंग में भारतीय मूल की किशोरी महकप्रीत सेठी की एक अन्य किशोर द्वारा चाकू मारकर हत्या करने के बाद हुई है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान की खदान में विस्फोट, छह की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी सूबे बलूचिस्तान की एक कोयला खदान में हुए शक्तिशाली गैस विस्फोट में छह श्रमिकों की मौत हो गई। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, यह विस्फोट शनिवार को हरनाई जिले के शाहरग कोयला क्षेत्र में स्थित कोयले की खदान में तब हुआ, जब मज़दूर वहां काम कर रहे थे। विस्फोट के बाद खदान का एक हिस्सा ढह गया, जिससे सभी खनिक फंस गए। बचाव दल और आसपास के अन्य खनिक फंसे हुए लोगों की मदद करने और शवों को निकालने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। सभी पीड़ित स्वात के शांगला इलाके के रहने वाले हैं। घटना के बारे में खान के मुख्य निरीक्षक गनी बलूच ने कहा कि गैस विस्फोट के बाद खदान में करीब 1,500 फुट नीचे आग लग गई, जिससे खदान का मुंह बंद हो गया। उन्होंने कहा कि बचाव दलों ने अब तक पांच शव बरामद किए हैं। अधिकारी ने कहा, एक शव अब भी मलबे में दबा हुआ है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

इस्लामिक स्टेट ने काबुल में पाकिस्तानी दूतावास पर हमले की जिम्मेदारी ली

इस्लामाबाद। इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने पिछले हफ्ते अफगानिस्तान में पाकिस्तान के दूतावास पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इस हमले में पाकिस्तान के दूतावास के प्रभारी राजदूत तो बच गए थे, लेकिन उनका एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हो गया था। आईएस खुरासन शाखा ने शनिवार देर रात अरबी में जारी किए संक्षिप्त बयान में दावा किया कि उसके दो लड़ाकों ने पाकिस्तानी दूतावास के प्रभारी राजदूत और उनके सुरक्षा कर्मियों पर तब हमला किया, जब वे पाकिस्तानी दूतावास के परिसर में थे। इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हुआ और इमारत को नुकसान पहुंचा। उसने इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शुक्रवार को हुए हमले में पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी इसरार मोहम्मद जख्मी हो गए थे। वह सेना की कमांडो इकाई से संबंधित हैं। मगर दूतावास के प्रभारी राजदूत उबैद-उर-रहमान निज़ामी सुरक्षित बच गए थे। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ था, जब इस्लामाबाद का दावा है कि अफगानिस्तान में छुपी पाकिस्तान विरोधी ताकतें हमलों को अंजाम दे रही हैं। इस दावे को लेकर दोनों देशों में तनाव पैदा हो गया है। इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस्लामिक स्टेट के दावे की पुष्टि करने की कोशिश कर रहा है। विदेश कार्यालय ने कहा, स्वतंत्र रूप से और अफगान अधिकारियों के परामर्श से, हम इन रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि कर रहे हैं। उसने कहा, इसके बावजूद, आतंकवादी हमला उस खतरे की याद दिलाता है कि अफगानिस्तान और क्षेत्र में आतंकवाद शांति और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करता है।' विदेश कार्यालय ने कहा, ' हमें इस खतरे को हराने के लिए सामूहिक तौर पर दृढ़ता से कार्रवाई करनी चाहिए।

चक्रवाती तूफान 8 दिसंबर को उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र तट से टकराएगा

इंटरनेशनल डेस्क. दक्षिण अंडमान सागर में कुछ ऐसी हलचल हो रही हैं जिससे भारत के कुछ तटीय क्षेत्रों में चक्रवाती तुफान आने की संभावना हैं। दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका हैं। ये चक्रवाती तूफान 8 दिसंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है। दक्षिण अंडमान सागर और उससे सटे भूमध्यरेखीय हिंद महासागर-मलक्का जलडमरूमध्य पर चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव के तहत, सोमवार को सुबह 5.30 बजे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना। संबद्ध चक्रवाती परिसंचरण मध्य-क्षोभमंडल स्तरों तक फैला हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 6 दिसंबर की शाम तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक डिप्रेशन में केंद्रित होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को कहा कि 5 दिसंबर को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। 7 दिसंबर की सुबह तक दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव प्रणाली पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ सकती है और एक अवसाद में केंद्रित हो सकती है। मौसम प्रणाली के कारण तमिलनाडु के सात जिलों, पुडुचेरी, कराईकल और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट पर 7 दिसंबर की रात से बारिश की गतिविधि शुरू हो सकती है और इसके अगले दिन तेज होने की संभावना है। 4 दिसंबर से 6 दिसंबर तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा होने की भी संभावना है। आईएमडी ने मछुआरों को अगले कुछ दिनों के लिए 8 दिसंबर तक बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर से बचने के लिए कहा है। बचने के लिए अन्य क्षेत्रों में 7 से 9 दिसंबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी, दक्षिण आंध्र प्रदेश तट और मन्नार की खाड़ी शामिल हैं।

ईरान ने अमेरिका पर अराजकता पैदा करने की कोशिश का लगाया आरोप लगाया

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दोल्लाहिया ने कुछ अन्य पश्चिमी देशों के साथ अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने पर वार्ता में अपनी रियायतों को मजबूर करने के लिए ईरान में अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार आमिर-अब्दोल्लाहियान ने सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में बैठक के बाद अपने सर्बियाई समकक्ष इविका डेसिक के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह आरोप लगाया। समाचार एजेंसी के मुताबिक उन्होंने कहा, हम किसी को भी अपने देश में दंगे और आतंकवाद को भड़काने नहीं देते हैं। 22 वर्षीय महसा अमिनी की पुलिस हिरासत के बाद 16 सितंबर को तेहरान के एक अस्पताल में मौत हो जाने के बाद ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ईरान ने अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी देशों पर देश में दंगे भड़काने और आतंकवादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल के साथ अपने हालिया फोन कॉल के बारे में बात करते हुए, आमिर-अब्दुल्लाहियन ने कहा, ईरानी लोगों के हितों की रक्षा करने में सक्षम एक स्थायी समझौता ही ईरान के लिए मूल्यवान होगा। ईरान ने परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे आधिकारिक तौर पर जुलाई 2015 में विश्व शक्तियों के साथ संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है, देश पर प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम पर कुछ प्रतिबंध लगाने पर सहमत हुए। हालांकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2018 में समझौते से बाहर निकल लिया और ईरान पर अपने प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया, जिससे बाद में समझौते के तहत अपनी कुछ परमाणु प्रतिबद्धताओं को छोड़ने के लिए प्रेरित किया।

'बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी...' यूएस पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी संविधान को खत्म करने की कही बात

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बयान से अमेरिका में भूचाल मच गया हैं। बाइडन सरकार पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि 250 साल पुराने संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान को नष्ट कर देना चाहिए। उनके इस बयान के बाद अमेरिका के नेताओं ने उनकी ओलोचना करनी शुरू कर दी। दोनों पक्षों के राजनेताओं से तीखी फटकार लगाई, एक शीर्ष डेमोक्रेट ने इसे कहा कि ट्रंप 'हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा' हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जिन्होंने हाल ही में 2024 के चुनाव के लिए अपने नाम की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में 2020 के चुनाव को 'बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी' करार देते हुए संविधान को समाप्त करने का आह्वान किया। उनका यह बयान डेमोक्रेट्स द्वारा सीनेट पर नियंत्रण बनाए रखने के कुछ हफ्तों बाद आया है क्योंकि ट्रम्प द्वारा समर्थित कई रिपब्लिकन उम्मीदवार, सीनेट और हाउस दोनों की दौड़ में हार गए।

डोनाल्ड ट्रम्प की पोस्ट हंटर बाइडेन के लैपटॉप पर मिली सामग्री के बारे में न्यूयॉर्क पोस्ट की कहानी पर 2020 में विचार-विमर्श दिखाते हुए आंतरिक ट्विटर ईमेल जारी होने के बाद भी आई है। ट्रंप ने सोशल नेटवर्क ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'इस प्रकार और परिमाण का एक बड़ा धोखाधड़ी संविधान में पाए गए सभी नियमों, विनियमों और लेखों को समाप्त करने की अनुमति देता है।' रिपब्लिकन ने 'बिग टेक' पर डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने का भी आरोप लगाया।

ट्रंप ने जो बाइडेन की चुनावी जीत के संदर्भ में कहा 'हमारे महान 'संस्थापक' नहीं चाहते थे, और झूठे और कपटपूर्ण चुनावों की निंदा नहीं करेंगे!' व्हाइट हाउस ने ट्रम्प के बयान की निंदा करते हुए कहा, संविधान और इसके सभी सिद्धांतों पर हमला करना हमारे राष्ट्र की आत्मा के लिए अभिशाप है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए। प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने संविधान को 'पवित्र दस्तावेज' बताते हुए एक बयान में कहा, जब आप जीतते हैं तो आप केवल अमेरिका से प्यार नहीं कर सकते।

डोनाल्ड ट्रम्प 2020 में जो बिडेन से सात मिलियन से अधिक मतों से और निर्वाचक मंडल में 306-232 से हार गए, लेकिन यह दावा करना जारी है कि बाइडेन ने चुनावी धोखाधड़ी के माध्यम से प्रमुख राज्यों में जीत हासिल की, एक आरोप जिसने यूएस कैपिटल पर घातक हमले को हवा दी।

व्योमिंग के रिपब्लिकन लिज़ चेनी, जो यूएस कैपिटल पर हमले की जांच कर रही सदन की चयन समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, ने ट्वीट किया कि कोई भी ईमानदार व्यक्ति अब इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि ट्रम्प संविधान के दुश्मन हैं।

प्रदर्शनकारियों ने सीरिया में सरकारी इमारत पर किया हमला

दमिश्क (एजेंसी)। सीरिया के प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने दक्षिणी शहर स्वीडा में तोड़फोड़ की और एक सरकारी इमारत पर हमला किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार को एक बयान में मंत्रालय के हवाले से कहा, जिनमें से कुछ बंदूकों के साथ थे, समूह ने इमारत की ओर बढ़ने से पहले टायर जलाकर शहर की एक मुख्य सड़क को काट दिया। इसमें कहा गया है कि कुछ हमलावरों ने इमारत में प्रवेश करने, कार्यालयों को नुकसान पहुंचाने और आधिकारिक दस्तावेजों को चुराने से पहले बेतरतीब ढंग से गोलियां चलाईं, एक सुरक्षाकर्मी और कई नागरिकों को घायल कर दिया।

बयान में कहा गया है कि समूह ने पास की कारों में भी आग लगा दी और पुलिस विभाग में घुसने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें पीछे धकेल दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि पुलिस स्टेशन की रक्षा करते हुए एक गार्ड की मौत हो गई, पुलिस हमलावरों को ट्रैक करेगी। इस बीच, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर ने कहा कि भीड़ शहर में बिगड़ती जीवन स्थितियों का विरोध कर रही थी, क्योंकि पिछले दो हफ्तों में ईंधन की भारी कमी हो गई है। ऑब्जर्वेटरी ने कहा कि, स्वीडा में सुरक्षा बलों के साथ भागदौड़ के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

ईंधन की कमी के कारण, सरकार ने सरकारी संस्थानों और प्रतिष्ठानों को आवंटित ईंधन में 40 प्रतिशत की कमी की है।इससे पहले रविवार को, तेल और खनिज संसाधन मंत्री बासम तौमेह ने स्थानीय मीडिया को बताया कि सीरिया जाने वाला एक तेल टैंकर, जो महीनों से ग्रीस में रुका हुआ है, देश के तट पर पहुंच गया है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि, ईंधन स्थिरता हासिल करने के लिए काम जारी है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने इमाम समेत 12 लोगों को उतारा मौत के घाट, मस्जिद से फिरौती के लिए अमीरों को किया अगवा

अबुजा (एजेंसी)। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने एक इमाम सहित एक दर्जन उपासकों की हत्या कर दी। आसपास के लोगों ने बताया कि 4 दिसंबर रात एक मस्जिद से कई अन्य लोगों का अपहरण कर लिया। उसके बाद कुछ सशस्त्र गिरोह ने हमले किए गये। सशस्त्र गिरोह, जिन्हें डाकुओं के रूप में जाना जाता है, उन समुदायों पर हमला करते हैं जहाँ सुरक्षा कड़ी होती है, लोगों की हत्या करते हैं या फिरौती के लिए उनका अपहरण करते हैं। गिरोह यह भी मांग करता है कि ग्रामीणों को संरक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा ताकि उन्हें खेती करने और अपनी फसल काटने की अनुमति मिल सके।

राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के गृह राज्य कैटसीना के फुनटुआ निवासी लॉवल हारुना ने रॉयटर्स को फोन पर बताया कि बंदूकधारी मोटरबाइक पर मैगामजी मस्जिद पहुंचे और छिटपुट गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे नमाजियों को भागने पर मजबूर होना पड़ा।

हारुना ने कहा कि रात की नमाज में शामिल हुए करीब 12 लोग गोलीबारी में मारे गए और मुख्य इमाम सहित मारे गए। फनटुआ के एक अन्य निवासी अब्दुल्लाही मोहम्मद ने कहा, 'फिर उन्होंने कई लोगों को इकट्ठा किया और उन्हें झाड़ी में ले गए। मैं प्रार्थना कर रहा हूं कि डाकुओं ने जिन निर्दोष लोगों का अपहरण किया है, उन्हें रिहा कर दें।'

कैटसिना राज्य पुलिस के प्रवक्ता गैंबो इसाह ने हमले की पुष्टि की और कहा कि राज्य समर्थित गौरक्षकों ने कुछ निवासियों के सहयोग से कुछ उपासकों को बचाने में कामयाबी हासिल की है। कैटसिना नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिम में कई राज्यों में से एक है, जो पड़ोसी नाइजर के साथ सीमा साझा करता है, जिससे गिरोह दोनों देशों के बीच स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ सकते हैं। नाइजीरिया की सेना डाकुओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले झाड़ी शिविरों पर बमबारी कर रही है, लेकिन हमले जारी हैं, मतदाताओं की सुरक्षा के बारे में आशंका बढ़ रही है जो फरवरी में बुहारी के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए चुनाव में जाएंगे।

श्रीलंका को डेयरी उद्योग विकसित करने के लिए भारत के एनडीडीबी से मदद मिलेगी

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने देश (श्रीलंका) के डेयरी उद्योग को विकसित करने के लिए भारत के राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ काम करने के लिए एक समिति नियुक्त की है। रिपोर्ट के अनुसार, पब्लिक और निजी सेक्टर के प्रतिनिधियों वाली समिति एक लघु तैयार करने के लिए एनडीडीबी की टीम के साथ काम करेगी। ताकि आयातित दूध पाउडर पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए स्थानीय दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए एक लघु, मध्यम और दीर्घकालिक प्लान तैयार किया जा सके। अध्यक्ष मीडिया विभाग ने कहा कि एनडीडीबी और भारत की अमूल मिल्क कंपनी ने श्रीलंका में लिक्विड दूध के उत्पादन के लिए जरूरी तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाए हैं। आगे कहा कि लघु और मध्यम अवधि की योजनाओं को लागू

करके स्थानीय दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने और टारगेट कार्यक्रम के माध्यम से लॉग टर्म में श्रीलंका को दूध में आत्मनिर्भर बनाने के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। रिपोर्ट के अनुसार, एनडीडीबी के सीनियर महाप्रबंधक राजेश ओंकारनाथ गुप्ता, महाप्रबंधक सुनील शिवप्रसाद सिन्हा, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार शर्मा और अन्य प्रतिनिधियों ने श्रीलंका के कृषि मंत्रालय और राष्ट्रीय पशुधन विकास बोर्ड के अधिकारियों के साथ चर्चा में हिस्सा लिया। श्रीलंका न्यूजीलैंड से दूध पाउडर का आयात करता है। द्वीप राष्ट्र की दूध पाउडर की मासिक खपत लगभग 6 हजार 500 मीट्रिक टन है। रिपोटरें के मुताबिक, दूध पाउडर के आयात के लिए श्रीलंका प्रति वर्ष करीब 400 मिलियन डॉलर खर्च करता है। विभिन्न सरकारों ने दूध पाउडर का आयात बंद करने और लिक्विड दूध को बढ़ावा देने की कोशिश की है क्योंकि डॉलर की निकासी अर्थव्यवस्था पर एक बड़ा बोझ बन गई है। इस वर्ष के शुरुआती महीनों में मुख्य रूप से महंगाई और डॉलर की कमी की वजह से अन्य जरूरी चीजों में दूध और पाउडर वाले दूध की कमी हो गई थी। देश के लोग खाद्य पदार्थों, ईंधन, रसोई गैस, दवा और अन्य चीजों की कमी के कारण सड़कों पर उतर आए थे और राजपक्षे सरकार को गिरा दिया था।

मतभेदों के बावजूद हम इज़राइल का समर्थन जारी रखेंगे : ब्लिंकन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा कि नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मतभेदों के बावजूद अमेरिका, इज़राइल का समर्थन करने से पीछे नहीं हटेगा। वाम समर्थित एक समूह से बात करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि कुछ दक्षिणपंथियों ने फिलिस्तीनियों और ईरान के प्रति अधिक सहानुभूति रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, '' अमेरिका, इज़राइल का एक पक्का मित्र बना रहेगा.

भले ही हम उन मुद्दों को हल करना चाहते हैं जिनका नेतन्याहू ने विरोध किया है, जैसे इज़राइल-फिलिस्तीनी संघर्ष का समाधान और ठप पड़े 2015 के ईरान परमाणु समझौते की बहाली।'' उन्होंने कहा, '' हमारे देशों और दुनियाभर के लोगों के हुई अमेरिका-इज़राइल साझेदारी और अन्य हर एक पहल के वास्ते अमेरिका हमेशा इज़राइल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। यह एक ऐसी प्रतिबद्धता है जो आज से पहले कभी इतनी दृढ़ नहीं थी।'' ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन नेतन्याहू की सरकार के साथ उनकी नीतियों के आधार पर बातचीत करेगा, व्यक्तिगत आधार पर नहीं।

व्हाइट हाउस के पास कुछ लोगों ने किया प्रदर्शन, ''चीन को आजाद करो'' के नारे लगाए

वाशिंगटन। (एजेंसी)। चीन में कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाई गईं कड़ी पाबंदियों और राजनीतिक बदलाव के लिए जारी प्रदर्शन के समर्थन में अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास रविवार को करीब 200 लोगों ने एकत्रित होकर मोमबत्तियां जलाईं और ''चीन को आजाद करो'' के नारे लगाए। फ्रीडम प्लाजा में प्रदर्शनकारियों ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनकी सरकार से सत्ता छोड़ने की मांग करते हुए कहा ,'' कोई तानाशाही नहीं, कोई सेंसरशिप नहीं।'' कुछ लोग हाथ में कोरे कागज लिए नजर आए, जो पार्टी की व्यापक सेंसरशिप के विरोध के प्रतीक थे। कुछने '' चीन को आजाद करो''के नारे लगाए।

चीन के उरुमची शहर में 25 नवंबर को आग की चपेट में आने से 10 लोगों की मौत के बाद ये प्रदर्शन शुरू हुए। अधिकरियों ने उन दावों को खारिज कर दिया है कि संक्रमण संबंधी पाबंदियों के कारण दमकल कर्मियों या लोगों को वहां से निकलने नहीं दिया गया। हालांकि संक्रमण को फैलने से रोकने की पाबंदियों से पहले ही परेशान लोग इस घटना के बाद और आक्रोशित हो गए। चीन के एक छात्र ने कहा, '' जब तक मुझ पर नहीं बीती, तब तक मुझे इन जन-मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं था।

कोविड संबंधी नीति वास्तव में अनुचित है।'' छात्र ने सुरक्षा कारणों के चलते केवल अपना उपनाम लीयू बताया।

लीयू ने कहा, '' अब जब मैं एक ऐसे देश में हूं जहां अभिव्यक्ति की आजादी है, मेरे अधिकारों की रक्षा की जा सकती है तो मैं अपनी (बात रखने की) पूरी कोशिश करूंगा।'' उइगर, तिब्बती और अन्य जातीय अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जिन पर कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा कथित तौर पर नजर रखी जाती है तथा उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए निशाना बनाया जाता है। नाम उजागर न करने की शर्त पर एक व्यक्ति ने कहा, '' मुझे चीन के साहसी युवा लोगों ने प्रोत्साहित किया।'' उन्होंने कहा, '' उनके आवाज उठाने के बाद हम कैसे ना उनका साथ दें ? मैं उनको बताना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं।

इमरान खान का पूर्व सेना प्रमुख जनरल पर आरोप, कहा बाजवा ने उनकी सरकार के खिलाफ रचा साजिश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा पर उनकी सरकार के खिलाफ ''दोहरा खेल'' खेलने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने 2019 में तत्कालीन सेना प्रमुख के कार्यकाल को बढ़ाकर ''बड़ी गलती'' की थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में ये टिप्पणियां कीं।

उन्होंने तत्कालीन सेना प्रमुख बाजवा पर भरोसा करने के लिए खेद भी जताया। खान (70) को इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये सत्ता से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन था कि जनरल बाजवा मुझे हर चीज बताएंगे, क्योंकि हमारे हित एक ही थे कि हमें देश को बचाना था।'' खान ने यह भी दावा किया कि उन्हें खुफिया ब्यूरो (आईबी) से खबरें मिली थी कि ''उनकी सरकार के खिलाफ क्या खेल खेला जा रहा है।''

उन्होंने दावा कि तत्कालीन सैन्य प्रतिष्ठान उनकी सरकार को गिराने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ के संपर्क में था और अक्टूबर 2021 में आईएसआई प्रमुख के तौर पर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को हटाने के बाद उनके खिलाफ साजिश का पर्दाफाश हो गया था। खान की ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कैद-ए-आजम (पीएमएल-क्यू) के मुनिश एलाही ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि बाजवा ने उनसे अविश्वास प्रस्ताव पर खान के लिए वोट करने के लिए कहा था।

पूर्व प्रधानमंत्री ने दावा किया, ''जनरल बाजवा दोहरा खेल, खेल रहे थे और मुझे बाद में यह पता चला कि पीटीआई सदस्यों तक को अलग संदेश दिए जा रहे थे।'' इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को खान पर निशाना साधा कि वह सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे इसका नतीजा देश की नींव को कमजोर करना ही क्यों न हो।

क्रांति समय

मंगलवार 06 दिसंबर 2022

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी रैगिंग मामले के मुख्य आरोपी ने किया सरेंडर

डिब्रूगढ़ (असम)। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय रैगिंग मामले के मुख्य आरोपी राहुल छेत्री ने सोमवार को तिनसुकिया जिले के लेखापानी थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रैगिंग की घटना सामने आने के बाद से आरोपी फरार था, जिसमें एमकॉम प्रथम सेमेस्टर के एक छात्र आनंद शर्मा को खुद को अत्यधिक मानसिक और शारीरिक यातना से बचाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में छात्रावास की दो मंजिला इमारत से कूदना पड़ा था। गंभीर रूप से घायल शर्मा को सर्जरी करानी पड़ी। फिलहाल उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। अस्पताल में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, आनंद शर्मा ने दावा किया कि रैगिंग की घटना के पीछे राहुल छेत्री मुख्य आरोपी था। उन्होंने कहा, उस दिन जब मैं लाइब्रेरी से हॉस्टल लौटा तो राहुल ने मुझे पीटना शुरू कर दिया। इस बीच छेत्री ने आत्मसमर्पण करने से पहले एक पत्र लिखा जिसमें उसने खुद को निर्दोष बताया। छेत्री ने लिखा, 24 नवंबर को डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में हुई घटना पर मुझे खेद है और मैं अपने भाई आनंद शर्मा के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रैगिंग की घटना से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मेरा नाम इस घटना में घसीटा गया है। मैं बेहद हैरान हूं। लॉ का छात्र होने के नाते मैं देश के कानून का सम्मान करता हूं और करता रहूंगा। मुझे उस घटना के बाद छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसने पूरी घटना में सनसनी फैला दी। मुझे लगा कि मामले में मेरा नाम घसीटे जाने के बाद लोग मुझ पर हमला करेंगे। मुझे पूरी घटना में मुख्य खलनायक बनाया गया है और कुछ को उल्फा-आई कैडर के रूप में भी चित्रित किया गया है। मैं वास्तव में आनंद शर्मा के लिए न्याय चाहता हूं। कानून को अपना कानूनी काम करने दें और पीड़ित को न्याय दें। छेत्री को बाद में डिब्रूगढ़ की एक अदालत में पेश किया गया। उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

दिल्ली दंगे मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को तगड़ा झटका, कोर्ट ने सुनाया ये फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े पथराव के एक मामले में आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने की अनुमति दे दी है। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के पूर्वोत्तर दिल्ली दंगों से संबंधित पथराव और दंगा करने के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने की अनुमति दे दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा कि ताहिर हुसैन के घर के बाहर सड़क पर भीड़ द्वारा पुलिस टीम पर किए गए पथराव के कारण अधिकारियों को अपनी जान बचाने के लिए कदम उठाने पड़े। अदालत ने कहा, सभी आरोपी हिंदुओं को निशाना बनाने में शामिल थे और उनके इस तरह के कृत्य जाहिर तौर पर मुसलमानों और हिंदुओं के समुदायों के बीच सद्भाव के प्रतिकूल थे। उन्होंने अपने कार्यों से सार्वजनिक शांति भंग की। अदालत ने तीन नवंबर को इसी मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद और यूनाइटेड अगेंस्ट हेट के संस्थापक खालिद सैफी को बरी कर दिया था। मामले में प्राथमिकी कॉन्स्टेबल संग्राम सिंह के बयान के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसमें कहा गया था कि 24 फरवरी, 2020 को दंगाई भीड़ ने मुख्य करावल नगर रोड पर पथराव किया था, इसके अलावा पास की पार्किंग में कई वाहनों में आग लगा दी थी। अदालत ने कहा कि उमर खालिद और खालिद सैफी के खिलाफ लगाए गए आरोप इस मामले में जांच की गई घटना की साजिश के बजाय एक फ्छतरी साजिशफ से संबंधित हैं।

एक्शन में सीएम शिवराज, बोले- कोई बेटी के 35 टुकड़े कर दे, मैं यह बर्दाश्त नहीं करूंगा

भोपल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों फुल फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। हाल में ही उन्होंने समान नागरिक संहिता को लेकर कानून बनाने की बात कह दी। तो अब एक और बार उन्होंने बड़ा ऐलान किया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा है कि राज्य की धरती पर लव जिहाद का खेल नहीं चलने दूंगा। उन्होंने कहा कि कोई बेटी के 35 टुकड़े कर दें और मैं यह बर्दाश्त करूं, यह संभव नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मैं कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता जरूरत पड़ी तो लव जिहाद के खिलाफ कड़ा कानून बनाया जाएगा। दरअसल, शिवराज सिंह चौहान नेहरू स्टेडियम इंदौर में क्रांति सूर्य टंट्या मामा भील बलिदान दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवराज ने कहा कि कई लोग जनजातीय समाज की बेटियों से शादी कर उनकी जमीन हड़पने का षड्यंत्र करते हैं। मैं मध्य प्रदेश की धरती पर लव जिहाद का खेल चलने नहीं दूंगा। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि कोई बेटी के 35 टुकड़े कर दे, मैं यह बर्दाश्त नहीं करूंगा। जरूरत पड़ी तो लव जिहाद के खिलाफ कड़ा कानून बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए हमने मध्यप्रदेश में पेसा नियम लागू किया है। चौहान ने कहा कि यहां क्रांतिसूर्य जननायक टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम कोई कर्म कांड नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्रांति का शंखनाद है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती पर जनजातीय कल्याण के संकल्प को पूरा भी किया जा रहा है।

उपचुनावों में लोगों को वोट देने से रोक रहा है प्रशासन, योगी सरकार पर अखिलेश यादव का निशाना

मैनपुरी/लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुलिस तथा प्रशासन पर मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान मतदाताओं को वोट डालने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग इससे जुड़ी शिकायतों को नजरअंदाज कर रहा है। यादव ने मैनपुरी में संवाददाताओं से कहा, ''आखिर पुलिस को क्या हिदायत दी गयी है। उनसे कहा गया है कि मैनपुरी में लोगों को मतदान से रोकें। रामपुर में भी प्रशासन लोगों को वोट नहीं डालने दे रहा। हर हथकंडा अपनाया जा रहा है ताकि लोग वोट डालने के लिये बाहर ही न निकलें। भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) को पूरी छूट दी गयी है। वे शराब बांट रहे हैं और सपा को नुकसान पहुंचाने के लिये हर तरीका अपना रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''मैनपुरी के जिलाधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं और उन्होंने अपना फोन किसी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को दे रखा है। आखिर कोई अधिकारी ऐसा कैसे कर सकता है। खासकर तब जब चुनाव हो रहा हो।'' उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग को कुछ दिखायी ही नहीं दे रहा है। वह हमारी शिकायतों को नजरअंदाज कर रहा है। वे वही कर रहे हैं जो सरकार ने उनसे कहा है। मैनपुरी क्षेत्र के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''आप यहां जो भी विकास देख रहे हैं, वह सब नेता जी (मुलायम सिंह यादव) की देन है। लोग उन्हें याद करके उनके पक्ष में वोट दे रहे हैं। यहां हम अच्छे अंतर से जीतेंगे।

जम्मू-कश्मीर : किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया

जम्मू। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर किश्तवाड़ जिले के नवापाची इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और युद्ध जैसी सामग्री जब्त की। खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मारवाह के सरकुंडु क्षेत्र में संयुक्त अभियान शुरू किया था, जिसके बाद ठिकाने का भंडाफोड़ हुआ। सुरक्षा बलों ने दो ग्रेनेड, एके 47 की दो मैगजीन, एके 47 के 109 राउंड, पिका के 56 राउंड, .303 राइफल की एक मैगजीन, 303 राइफल के 27 राउंड, एक डेटोनेटर और एक सेफ्टी फ्यूज बरामद किया।

जबरन धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से उठाए गए कदमों पर मांगा विस्तृत हलफनामा, अब सोमवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जबरन धर्मांतरण को लेकर लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर राज्य सरकारों से जानकारी एकत्र करने के बाद एक विस्तृत हलफनामा दायर करने को कहा है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट का साफ तौर पर कहना है कि जबरन या धोखे से धर्म परिवर्तन का मुद्दा गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें दावा किया गया था कि देश भर में धोखाधड़ी और धोखे से धर्म परिवर्तन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आज भी इस पर तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि चैरिटी और समाज सेवा अच्छी बात है। लेकिन इसके पीछे कोई गलत उद्देश्य नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म की स्वतंत्रता के अनुसार किसी भी धर्म को स्वीकार करने का अधिकार है। लेकिन जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखे से नहीं। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी भी मांगी है।

वहीं, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार में दूसरे लोगों को धर्म विशेष में धर्मांतरित कराने का अधिकार शामिल नहीं है। केंद्र ने यह भी कहा कि यह निश्चित रूप से किसी व्यक्ति को धोखाधड़ी, धोखे, जबरदस्ती या प्रलोभन के जरिए धर्मांतरित करने का अधिकार नहीं देता है। केंद्र सरकार ने कहा कि उसे खतरे का संज्ञान है और इस तरह की प्रथाओं पर काबू पाने वाले कानून समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। इन वर्गों में महिलाएं और आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े लोग शामिल हैं। केंद्र ने यह भी बताया था कि ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक और हरियाणा - ने जबरन धर्मांतरण पर नियंत्रण के लिए कानून पारित किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जबरन धर्मांतरण को 'बहुत गंभीर' मुद्दा करार देते हुए केंद्र से कहा था कि वह इसे रोकने के लिए कदम उठाए और इस दिशा में गंभीर प्रयास करे। अदालत ने चेताया कि यदि जबरन धर्मांतरण को नहीं रोका गया तो ''बहुत मुश्किल स्थिति'' पैदा होगी, क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों के धर्म और अंतःकरण की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि सरकार प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण पर अंकुश लगाने के लिये उठाए गए कदमों के बारे में बताए।

एस जयशंकर ने फिर कहा, यूक्रेन मुद्दे पर भारत का रुख स्पष्ट, यह युद्ध का युग नहीं, बातचीत के जरिये निकले समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जर्मनी के विदेश मंत्रियों की आज मुलाकात हुई है। इस दौरान जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक ने साफ तौर पर कहा है कि जब दुनिया कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही है तो मिलकर रहना ही महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच यूक्रेन मुद्दे को लेकर ही बातचीत हुई है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन मुद्दे पर भारत का रुख स्पष्ट, यह युद्ध का युग नहीं है और बातचीत के जरिये समाधान निकाला जाना चाहिए। जर्मनी की विदेश मंत्री के साथ चर्चा पर जयशंकर ने कहा ने कहा कि अफगानिस्तान की स्थिति और पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद पर बातचीत हुई। आपको बता दें कि भारत और जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने गतिशीलता साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए जिससे

लोगों के लिए एक-दूसरे के देश में अध्ययन और काम करना आसान होगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच गतिशीलता समझौते पर हस्ताक्षर अधिक समकालीन द्विपक्षीय साझेदारी के आधार का एक मजबूत संकेत है। उन्होंने कहा कि हमारी रणनीतिक साझेदारी जो दो दशकों से अधिक पुरानी है, वो वास्तव में अधिक राजनीतिक आदान-प्रदान, निरंतर बढ़ते व्यापार, अधिक निवेश से मजबूत हुई है है। उन्होंने कहा कि आज हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों के अलावा दिन के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसमें यूक्रेन में संघर्ष, हिंद-प्रशांत सामरिक स्थिति शामिल रही। जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक ने कहा कि मैंने गांधी स्मृति से भारत की अपनी यात्रा शुरू की। जब मैंने आज गांधी के अंतिम कदमों का अनुसरण किया तो मुझे पूरी तरह से पता चला कि भारत की स्वतंत्रता की राह वास्तव में आसान नहीं थी।

इस दौरान एस जयशंकर ने यह भी कहा कि यूरोपीय संघों ने फरवरी से नवंबर तक रूस से अगले 10 देशों की तुलना में अधिक जीवाश्म ईंधन का निर्यात किया है। यूरोपीय संघ में तेल का आयात भारत द्वारा आयात किए गए तेल का छह गुना है; गैस अनंत गुना है क्योंकि हम इसका आयात नहीं करते। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों की तुलना में रूस के साथ हमारा व?यापार बहुत छोटे स?तर पर है- 12-13 अरब डॉलर। हमने रूसियों को उत्पादों का एक सेट भी दिया है... मुझे नहीं लगता कि लोगों को व्यापार बढ़ाने के लिए किसी भी व्यापारिक देश की वैध अपेक्षाओं के अलावा इसमें और अधिक पढ़ना चाहिए।

नेशनल कांफ्रेंस की कमान एक बार फिर फारूक अब्दुल्ला के हाथ, अध्यक्ष चुने गए

श्रीनगर। (एजेंसी)। फारूक अब्दुल्ला सोमवार को फिर से एक और कार्यकाल के लिए नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष चुने गए। 85 वर्षीय नेता को यहां नसीम बाग में पार्टी संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के मकबरे के पास आयोजित नेकां के प्रतिनिधि सत्र में सर्वसम्मति से पार्टी का प्रमुख चुना गया। इस दिन शेख अब्दुल्ला की 117वीं जयंती भी मनाई गई। नेकां के महासचिव अली मोहम्मद सागर ने कहा कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तक केवल अब्दुल्ला का नामांकन प्राप्त हुआ था। सागर ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला के समर्थन में कश्मीर से कुल 183, जम्मू से 396 और लद्दाख से 25 प्रस्ताव प्राप्त हुए। नेकां पिछला अध्यक्ष चुनाव पांच साल पहले हुआ था।

कांग्रेस ने कहा- पाकिस्तान कमजोर है, पीओके वापस लाने का यह सही समय है, पाक सेनाध्यक्ष ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को लेकर सेना के एक कमांडर ने कहा कि भारतीय सेना सरकार का आदेश मिलने पर पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर को वापस लेने के लिए तैयार है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हाल ही में कई मौकों पर कहा कि पीओके को भारत वापस लेकर रहेगा बस थोड़ा धैर्य रखिये। अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने मोदी सरकार को सुझाव दिया है कि इस समय पाकिस्तान कमजोर है इसलिए भारत को पीओके को वापस ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संसद में भी प्रस्ताव पारित किया जा चुका है इसलिए पीओके को वापस लाना ही चाहिए।

उधर, भारत में जहां पीओके वापस लाने के स्वर तेज हो रहे हैं तो वहीं पाकिस्तान सेना के नये प्रमुख असीम मुनीर ने पद संभालने के बाद नियंत्रण रेखा के अपने पहले दौरे के दौरान गीदड़भभकी देते हुए कहा है कि अगर उनके देश पर हमला होता है, तो पाकिस्तानी सशस्त्र बल 'न सिर्फ अपनी मातृभूमि के एक-एक इंच की रक्षा करेंगे, बल्कि दुश्मन देश को मुंहतोड़ जवाब भी देंगे।' मुनीर ने एलओसी के दौरे के दौरान रखचिकरी सेक्टर में तैनात पाकिस्तानी सैनिकों से मुलाकात भी की।

मुनीर ने कहा, 'हमने हाल में गिलगित बाल्टिस्तान और जम्मू-कश्मीर पर भारतीय नेतृत्व के

अत्यधिक गैर-जिम्मेदाराना बयान सुने हैं।' मुनीर ने कहा कि मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अगर हम पर हमला होता है तो पाकिस्तान के सशस्त्र बल न केवल अपनी मातृभूमि के एक-एक इंच की रक्षा करने के लिए, बल्कि दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हमेशा तैयार हैं।' अब मुनीर जो बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं जरा उनको याद दिला दें कि कैसे एक पाकिस्तानी सांसद ने ही वहां की संसद में खुलासा किया था कि भारत के विंग कमांडर अभिनंदन की रिहाई के लिए पाकिस्तान इसलिए तुरंत तैयार हो गया था क्योंकि उसे डर था कि कहीं भारत हमला नहीं कर दे। पाकिस्तानी सांसद अयाज सादिक ने यह भी खुलासा किया था कि उस समय हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में पाकिस्तान सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा के पैर काँप रहे थे, चेहरे पर पसीना आ रहा था और भारतीय सेना का खौफ सता रहा था। बहरहाल, असीम मुनीर का जोश इस समय इसलिए उफान पर है क्योंकि वह नये नये आये हैं। जरा वह अपने आफिस में बैठकर भारतीय सेना की ओर से की गयी पाकिस्तानी सेना की पिटाई संबंधी फाइलों पर नजर डालें, देखते ही देखते उनका सारा जोश उतर जायेगा।

11 दिसंबर को गोवा के दौरे पर रहेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नए हवाई अड्डे का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 दिसंबर को गोवा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान भारतीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन समारोह में गोवा पहुंचेंगे। इसी दौरान वह एम्स के आयुष अस्पताल का भी उद्घाटन करेंगे। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि मोपा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का भी उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे। अपने बयान में प्रमोद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 तारीख को 3 कार्यक्रमों के लिए गोवा आ रहे हैं। विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन समारोह में प्रधानमंत्री आएंगे। उसी कार्यक्रम में AIIMS के आयुष अस्पताल का उद्घाटन होगा।

सावंत ने आगे कहा कि इसी कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन और दिल्ली के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी का

वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे। इसके अलावा मोपा अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा का भी उद्घाटन प्रधानमंत्री मोपा आकर करेंगे। उत्तरी गोवा स्थित मोपा में 2,870 करोड़ रुपये की लागत से इस हवाई अड्डे का निर्माण किया गया है और डाबोलिम के बाद राज्य का यह दूसरा हवाई अड्डा है। पहले चरण में हवाई अड्डे की सालाना क्षमता 44 लाख यात्रियों की है और परियोजना पूरी होने पर इसकी कुल क्षमता सालाना एक करोड़ यात्रियों की होगी। मौजूदा डाबोलिम हवाई अड्डे की क्षमता 85 लाख यात्री सालाना है, लेकिन 'कार्गो' (माल) परिवहन की सुविधा नहीं है जबकि नए हवाई अड्डे पर कार्गो की भी सुविधा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जीएमआर गोवा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड नए हवाई अड्डे का 40 सालों तक परिचालन करेगी जिसे 20 साल और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह हवाई अड्डा उत्तर गोवा में 2,312 एकड़ में फैला है। सावंत ने बताया कि प्रधानमंत्री राज्य की राजधानी पणजी में आयोजित विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के समापन सत्र में भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि मोदी ने ऑनलाइन माध्यम से उत्तर गोवा में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान और नयी दिल्ली में स्थापित राष्ट्रीय होमियोपैथी संस्थान का भी उद्घाटन करेंगे।

कांग्रेस ने पीएम पर लगाया आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप, पवन खेड़ा बोले- डरा हुआ है चुनाव आयोग

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इसके साथ ही कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। कांग्रेस ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में मतदान के समय रोड शो किया जो कि पूरी तरीके से आचार संहिता का उल्लंघन है। इसको लेकर पार्टी के मीडिया एवं संचार प्रमुख पवन खेड़ा का बयान भी सामने आया है। पवन खेड़ा ने साफ तौर पर कहा है कि मतदान के दिन पीएम मोदी ने वोट डालने के लिए जाते समय 2~30 घंटे तक का रोड शो किया है। हम इसके खिलाफ चुनाव आयोग में अपील करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग स्वेच्छा से दबाव में है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि चुनाव आयोग पूरी तरीके से चुप है क्योंकि वह डरा हुआ है।

खेड़ा ने आगे कहा कि किसी भी व्यक्ति की वोट की कीमत उतनी ही होती है जितनी प्रधानमंत्री के वोट की होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वोट करने के लिए निकलते हैं तो ढाई घंटे का रोडशो करते हैं। चुनाव आयोग की क्या मजबूरियां हैं कि उसे कुछ सुनाई और दिखाई नहीं देता। कांग्रेस नेता ने कहा कि बड़ा अफसोस होता है कि चुनाव आयोग आंख मूंदकर बैठा हुआ है। यह आचार संहिता का उल्लंघन का मामला है। ऐसा लगातार किया जा रहा है। हमें उम्मीद थी कि

चुनाव आयोग कोई संज्ञान लेगा। लेकिन चुनाव आयोग डरा हुआ है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में सोमवार को अहमदाबाद के एक मतदान केंद्र में अपना वोट डाला।

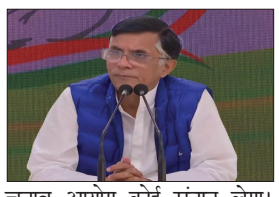

लालू यादव का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ सफल, बेटी रोहिणी ने की डोनेट, तेजस्वी ने दी बड़ी जानकारी

भोपल (एजेंसी)। राजद प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का किडनी ट्रांसप्लांट आज सफल रहा है। इसको लेकर बिहार के उप मुख्यमंत्री और लालू के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर जानकारी दी है। अपनी ट्वीट में तेजस्वी यादव ने लिखा कि पापा का किडनी ट्रांसप्लांट ऑपरेशन सफलतापूर्वक होने के बाद उन्हें ऑपरेशन थिएटर से आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। इसके साथ ही तेजस्वी यादव ने लालू यादव और अपनी बहन रोहिणी आचार्य के स्वास्थ्य का हाल भी दिया। उन्होंने बताया कि डोनर बड़ी बहन रोहिणी आचार्य और राष्ट्रीय अध्यक्ष दोनों स्वस्थ हैं। आपकी प्रार्थना और दुआओं के लिए साधुवाद। आपको बता दें कि लालू यादव को उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने किडनी डोनेट किया है।

तेजस्वी ने एक वीडियो भी साझा किया है। लालू की बड़ी बेटी मिसा भारती ने भी ट्वीट किया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि पापा का ऑपरेशन सफलतापूर्वक हो गया है। पापा अभी आईसीयू में हैं। होश में हैं और बातें कर पा रहे हैं। आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। वही, ऑपरेशन से पहले लालू यादव की बेटी रोहिणी ने ट्वीट कर लिखा था कि रेडी टू रॉक एंड रोल। मेरे लिए इतना ही काफी है। आपकी खैरियत मेरी जिंदगी है। उन्होंने लालू यादव के साथ अपनी एक फोटो भी साझा किया था। गौरतलब है कि लालू यादव काफी समय से किडनी की समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें डॉक्टरों की ओर से किडनी ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी गई थी। यही कारण है कि उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने अपना किडनी देने का फैसला लिया और उसके बाद उनका सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया गया है।

सिंगापुर में रोहिणी आचार्य के अलावा खुद तेजस्वी यादव मौजूद हैं। साथ ही साथ तेजस्वी यादव की मां और पूर्व मुख्यमंत्री तथा लालू यादव के पत्नी राबड़ी देवी भी सिंगापुर में ही मौजूद थे। राजद की राज्यसभा सांसद और लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती भी इस वक्त सिंगापुर में ही है। दूसरी ओर लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने ट्वीट कर कहा कि मेरे पिता श्री लालू प्रसाद जी के स्वास्थ कामना को लेकर आज पटना स्थित अपने आवास पर महामृत्युंजय एवं रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)